नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

# अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 55 | नोएडा, बुधवार, 25 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए


**आज का विचार**

जीवन की गहनतम घटनाएँ किसी अनजान क्षण में ही हो जाती हैं।
- अज्ञेय



## यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी

**सपा 26 पर तैयार**

इनमें से 16 सीटों पर कांग्रेस की जमानत जब्त हुई थी

**इमरान मसूद बोले-भीख नहीं मांग रहे, बराबरी चाहिए**



**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग में पेंच फंसता नजर आ रहा है। अखिलेश कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 26 सीट देना चाहते हैं। जबकि, कांग्रेस 125 सीट पर अड़ी हुई है। दिल्ली में सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा- मैंने उनको कल 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वो (कांग्रेस) अपने उम्मीदवार उतार सकते हैं। सपा सांसद राजीव राय ने भी यही बात दोहराई। कहा- 26 सीटों पर हम चर्चा करेंगे। कांग्रेस को लिस्ट दे दी है। सपा के 26 सीटों के ऑफर पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा- हम किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं।

### सपा-कांग्रेस के बीच 146 सीटों पर चल रही बातचीत

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के घर पर सपा-कांग्रेस की बैठक चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें 146 सीटों पर चर्चा हो रही है। 120 से 125 सीटें वो हैं, जिसकी लिस्ट कांग्रेस ने सोमवार को सपा को सौंपी थी। जबकि 26 सीटें वो हैं, जिसकी लिस्ट सपा ने कांग्रेस को सौंपी है। पहले कहा जा रहा था कि बैठक कल यानी बुधवार को भी होगी। लेकिन, अब बताया जा रहा है कि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा के घर पारिवारिक कार्यक्रम है। वहीं, सपा 26 नवंबर को घोषणा पत्र का ऐलान कर रही है। उसी दिन लखनऊ में कांग्रेस पैदल मार्च निकाल रही है, इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। ऐसे में दोनों पार्टियों के नेता बिजी हो जाएंगे।

**कांग्रेस का तर्क-**

### 2022 के नतीजे पैमाना नहीं हो सकते

कांग्रेस का तर्क है कि 2022 के नतीजे ही उसकी मौजूदा ताकत का पैमाना नहीं हो सकते। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रदर्शन और कांग्रेस के मौजूदा सांसदों के प्रभाव वाले क्षेत्रों को भी सीट बंटवारे में महत्व मिलना चाहिए। सपा ने कांग्रेस को जिन 26 सीटों की सूची सौंपी है। वहां 2022 में कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा था। कांग्रेस सिर्फ प्रतापगढ़ की रामपुर खास और महाराजगंज की फरेंदा की सीट ही जीत पाई थी। रामपुर खास से आराधना मिश्रा मोना और फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी जीते थे। वहीं, मथुरा, खेरागढ़, जगदीशपुर और किदवई नगर में पार्टी दूसरे नंबर पर रही थी।

## तमिलनाडु में टीवीके विधायक पर एफआईआर

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के कल्लाकुरिची से टीवीके विधायक सी. अरुल विग्नेश के खिलाफ महिला कलेक्टर को अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। राज्य सरकार ने मंगलवार को



मद्रास हाईकोर्ट को इसकी जानकारी दी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हर महिला को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा मिलनी चाहिए, चाहे वह मुख्य सचिव हो या सफाईकर्मी। अदालत ने कहा कि आरोपी विधायक एक उच्च संवैधानिक पद पर हैं।

## देशभर में अवैध निर्माण को नगर निगमों का संरक्षण

**सुप्रीम कोर्ट बोला-अधिकारी नियम तोड़ने वालों से मिले हुए**

**भोपाल नगर निगम की सीलिंग रिपोर्ट पर उठ रहे कई सवाल**

**भोपाल (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बिल्डिंग नियमों के उल्लंघन और इसमें नगर निकायों की भूमिका पर सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने कहा कि कई जगह अधिकारी नियम तोड़ने वालों के साथ मिले हुए हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि आवासीय इलाकों में होटल, गेमिंग पार्लर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रेस्टोरेंट को मंजूरी कौन दे रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि बिल्डिंग प्लान पास कराने, निर्माण के दौरान निरीक्षण से बचने और तोड़फोड़ रुकवाने तक किस स्तर पर कितनी कीमत चुकाई जाती है। कोर्ट ने कहा कि कई बार निरीक्षण तब होते हैं, जब इमारतें बन चुकी होती हैं और नियमों का उल्लंघन हो चुका होता है।



### 6 जनवरी से पहले लागू हो सकता है भोपाल का मास्टर प्लान

भोपाल में सीलिंग मामले की सोमवार को हुई सुनवाई के बाद मास्टर प्लान के जल्द लागू होने की संभावना बनी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, 10 दिसंबर तक मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से सुनवाई होगी। इसके बाद सरकार 6 जनवरी को होने वाली अगली सुनवाई से पहले मास्टर प्लान लागू कर सकती है। ड्राफ्ट में कई सड़कों पर कमर्शियल एक्टिविटी का प्रावधान है।

**उम्मीद** | **पीएम मोदी के दौरे से पहले चर्चा, मुंह ताकते रह जाएंगे ट्रंप और खालिस्तानी**

## भारत-कनाडा में बन गई बात, होगी डिफेंस डील!

**ओटावा (एजेंसी)।** भारत और कनाडा के अधिकारी रक्षा और सूचना सुरक्षा समझौतों पर बातचीत कर रहे हैं। इन समझौतों का ऐलान पीएम नरेंद्र मोदी की दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होने वाली कनाडा यात्रा के दौरान किया जा सकता है। इसमें सैन्य सहयोग और गोपनीय जानकारी साझा करने से जुड़े समझौते शामिल हैं। पीएम मोदी का ये दौरा इसलिए अहम है क्योंकि दोनों देशों के रिश्ते बीते कुछ महीनों में उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। इसमें कनाडा में खालिस्तानियों की गतिविधियां एक बड़ी वजह रही है। द ग्लोब एंड मेल के मुताबिक, 11-12 दिसंबर को मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (फ्री-ट्रेड डील) की घोषणा होने की उम्मीद है। इसके अलावा भी कई समझौतों पर बातचीत चल रही है, जो ओटावा और दिल्ली के बीच भरोसे के बढ़ते स्तर को दिखाते हैं। यह भरोसा 2023 में आए उस राजनयिक तनाव के बाद फिर से बन रहा है, जिसने दोनों देशों के संबंध काफी खराब हो गए थे।



### रक्षा समझौते में क्या-क्या होगा

कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक के अनुसार, दोनों देश रक्षा समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें रणनीतिक सहयोग (युद्धपोतों का दौरा), संयुक्त प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, एयरोस्पेस, नौसेना और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सैन्य उपकरणों का उत्पादन शामिल होगा। रक्षा सहयोग समझौता बेहतर ढांचा तैयार करेगा।

### भारत से बेहतर संबंधों की तलाश में कनाडा

साल 2023 में कनाडा-भारत संबंधों में भारी ठहराव आ गया था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से दिल्ली पर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। निज्जर कनाडा का नागरिक था और भारत से अलग एक सिख देश बनाने (खालिस्तान आंदोन) के अभियान से जुड़ा था। दिल्ली ने आरोपों को खारिज किया था। कनाडा की सरकार भारत के साथ संबंधों को फिर से मजबूत करना चाहती है। ताकि व्यापार के मामले में अमेरिका पर निर्भरता कम हो सके क्योंकि अमेरिका की नीतियों में लगातार अनिश्चितता दिखी है। वहीं कनाडा सरकार ने स्पष्ट किया है कि निज्जर मामले की जांच स्वतंत्र रूप से चल रही है।

### जानकारी साझा करने पर जोर

दोनों देश ऐसे समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत वे एक-दूसरे के साथ संवेदनशील, गोपनीय और डीप-टेक (अत्याधुनिक तकनीक) से जुड़ी जानकारी साझा कर सकेंगे। हथियारों और संवेदनशील तकनीक के व्यापार या संयुक्त विकास के लिए इस तरह का समझौता जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा में खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ा है। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा है कि दोनों देश सुरक्षा और खुफिया मामलों में सहयोग के लिए अधिक स्थायी तंत्र (मैकेनिज्म) पर काम कर रहे हैं। अभी दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और खुफिया एजेंसियां समय-समय पर जानकारी साझा करती हैं।

## वैभव सूर्यवंशी ने ठोकी क्रिकेट इतिहास की सबसे तेज डबल सेंचुरी

**196 रन सिर्फ चौके और छक्कों से बनाए**



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राइजिंग स्टार एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट इतिहास की सबसे अविश्वसनीय और विनाशकारी पारी खेल डाली है। अपने तूफानी शतक के बाद भी वैभव के बल्ले की आग शांत नहीं हुई और उन्होंने महज 52 गेंदों में अपना ऐतिहासिक दोहरा शतक ठोक दिया। इस करिश्माई दोहरे शतक के दौरान वैभव ने यूएई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए 28 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके जड़े यानी 200 में से 196 रन तो केवल चौकों और छक्कों की बारिश से ही बटोर लिए।

**डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स ध्वस्त** – महज 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा करके वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर के क्रिकेट (वनडे और लिस्ट-ए) में सबसे तेज डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है।

**सुविधा** | **एक क्लिक में बंद होंगे सभी पेमेंट,1 जुलाई 2027 से लागू हो सकते हैं नए नियम**

## बैंक फ्रॉड रोकने स्टॉप स्विच फीचर लाएगा आरबीआई

***नई दिल्ली (एजेंसी)।*** *आपके बैंक खाते को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक नए सुरक्षा नियम ला रहा है। इसके तहत बैंक के एप में स्टॉप स्विच नाम का एक इमरजेंसी बटन मिलेगा। खाता हैक होने का शक होने पर आप एक क्लिक से पैसे निकलना तुरंत रोक सकेंगे। इसके अलावा, आप खुद यह तय कर सकेंगे कि दिनभर में कितना पैसा ट्रांसफर हो और बड़े पेमेंट के लिए घर के किसी भरोसेमंद सदस्य की मंजूरी भी अनिवार्य कर सकेंगे। आरबीआई ने इन नियमों पर 14 दिसंबर 2026 तक सुझाव मांगे हैं,*



*जिन्हें 1 जुलाई 2027 से लागू किया जा सकता है। आरबीआई बड़े पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए ट्रस्टेड पर्सन फीचर ला रहा है। यह सुविधा पूरी तरह आपकी मर्जी (वैकल्पिक) पर निर्भर करेगी। इसमें आप 18 साल या उससे बड़े किसी भी भरोसेमंद व्यक्ति (जैसे परिवार के सदस्य) को नॉमिनेट कर सकेंगे। यह एक इमरजेंसी बटन जैसा होगा। बैंक अकाउंट, पासवर्ड या डिजिटल पेमेंट हैक होने का शक होने पर आपको बैंक को फोन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे ऑन करते ही खाते से पैसे निकलना तुरंत बंद हो जाएंगे।*

### खाते की जानकारी सुरक्षित रहेगी

इस सुविधा को शुरू करने से पहले 24 घंटे का वेटिंग (कूलिंग-ऑफ) पीरियड रहेगा। खास बात यह है कि उस व्यक्ति को आपके खाते का बैलेंस, एफडी या निवेश नहीं दिखेगा और न ही वह खुद कोई पेमेंट कर पाएगा। यह नियम यूपीआई, दुकानों के पेमेंट या ऑटो-डेबिट पर लागू नहीं होगा। आरबीआई के ये नए नियम देश के लगभग सभी तरह के बैंकों पर लागू होंगे। इनमें सरकारी और प्राइवेट कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, पेमेंट्स बैंक, ग्रामीण बैंक, लोकल एरिया बैंक और कोऑपरेटिव बैंक शामिल हैं। हालांकि, ये अभी ड्राफ्ट नियम हैं और अंतिम मंजूरी मिलने के बाद ही आम ग्राहकों को इनकी सुविधा मिल पाएगी। बैंक के सिस्टम में खराबी, सुरक्षा में सेंध या किसी बैंक कर्मचारी की मिलीभगत से फ्रॉड होता है, तो उसकी जिम्मेदारी भी बैंक की ही होगी। ये सख्त नियम 1 जनवरी 2027 से लागू करने का प्रस्ताव है।

## स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर 4 बच्चों की मौत

**25 घायल, पिकनिक से लौट रहे थे, यूपी के कन्नौज में एक्सप्रेसवे पर खड़ी थी**



**कन्नौज/कौशांबी (एजेंसी)।** यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बस में 50 स्टूडेंट्स समेत 60 लोग सवार थे। सभी आगरा में पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे। कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की थी। बस मंगलवार रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर रोकी गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

### पिकनिक के लिए आगरा और मथुरा गए थे

स्कूल प्रबंधन ने बताया कि कक्षा 6 से लेकर 10वीं तक के बच्चों को पिकनिक के लिए आगरा और मथुरा ले जाया गया था। बस शनिवार को कौशांबी से निकली थी। रविवार और सोमवार को घूमने के बाद देर रात वापस आ रही थी। घायल छात्र प्रिंस प्रजापति ने बताया- आगरा में ताजमहल देखने गए थे। दोस्त नौशाद की तबीयत खराब थी। उसे टॉयलेट जाना था। इसलिए बस रुकी थी। तभी हादसा हो गया। ट्रक ड्राइवर ने ड्रिंक कर रखी थी। छात्र शक्ति यादव ने बताया- टक्कर के बाद हमारी बस काफी दूर तक घिसट गई। टक्कर से प्रिंसिपल सर बस के गेट में फंस गए। मेरे कई दोस्तों को चोटें आईं।






## देश को बदनाम करने से नहीं चमकेगी राजनीति

**राहुल गांधी पर भाजपा का वार, कहा-जनता कभी नहीं करेगी स्वीकार**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका दौरे के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था और चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा ने जोरदार हमला बोला है। भाजपा का कहना है कि राहुल गांधी भले ही विदेश जाकर अपनी राजनीति को दोबारा चमकाने की कोशिश करें, लेकिन देश के खिलाफ नकारात्मक बातें करने वाले नेता को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। राहुल के अमेरिका में दिए गए बयान को लेकर देश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदीप भंडारी ने भारत की आर्थिक और वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने लोवी इंस्टीट्यूट की एशिया पावर इंडेक्स रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत एशिया की तीसरी सबसे ताकतवर शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने यह भी कहा कि गोल्डमैन सैक्स और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बताया है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भंडारी ने कहा कि वह विदेश की जमीन से अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने की कोशिश कर रहे।



# देश के दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश के आसार

**केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के कई प्रमुख इलाकों में हवा की गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है।**



अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** । देश के मौसम में इन दिनों दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है जहां दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है और रात के तापमान में गिरावट के आसार हैं, वहीं दक्षिण भारत के कई राज्यों में पूर्वी हवाओं के प्रभाव से भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के कई प्रमुख इलाकों में हवा की गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है। आईटीओ का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 293, चांदनी चौक का 256, आनंद विहार का 206 और गाजियाबाद का 206 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी को दर्शाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 25 एवं 26 नवंबर को सुबह के समय कुछ जगहों पर धुंध या हल्का कोहरा छा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 27 नवंबर को ठंड थोड़ी और बढ़ सकती है और न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी, दक्षिण केरल और कोमोरिन क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण और पूर्वी हवाओं के ट्रफ के कारण दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। 25 से 27 नवंबर के दौरान केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा 25 से 30 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, 25 से 28 नवंबर के बीच तटीय तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तथा 25 नवंबर को तेलंगाना में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

इसके अलावा 25 से 28 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-चमक के साथ 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। वहीं, केरल, माहे, लक्षद्वीप (25-27 नवंबर) और तटीय आंध्र प्रदेश, यनम व रायलसीमा (25-28 नवंबर) में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा (अधिकतम 50 किमी प्रति घंटा) रहने का अनुमान है। पश्चिम और मध्य भारत के निवासियों के लिए राहत की बात यह है कि इस सप्ताह इन क्षेत्रों के मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि, उत्तरी क्षेत्रों और असम के आसपास पश्चिमी विक्षोभ और ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय बने हुए हैं।

# 'मेरी बुद्धि, श्रद्धा व भक्ति आपके चरण कमलों में समर्पित रहे'

**पीएम मोदी ने सुभाषित साझा कर मां गंगा से की प्रार्थना**

अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया है। संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से पीएम मोदी ने बुद्धि, श्रद्धा और भक्ति को मां गंगा के चरणों में समर्पित रहने की प्रार्थना की है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, 'देवि सुरेश्वरि भगवति गङ्गे त्रिभुवनतारिणि तरलतरङ्गे। शङ्करमौलिविहारिणि विमले मम मतिरास्तां तव पदकमले॥ साझा किया गया है। श्लोक का हिंदी भावार्थ है- 'हे देवताओं की अधिष्ठात्री, परम पावनी एवं भगवती गङ्गे! हे तीनों लोकों का उद्धार करने वाली, निर्मल एवं चंचल तरंगों से सुशोभित देवी! हे भगवान शिव की जटाओं में विराजमान रहने वाली परम पवित्र मां गङ्गा! मेरी बुद्धि, श्रद्धा एवं भक्ति सदैव आपके पावन चरण-कमलों में समर्पित रहें। '

पीएम मोदी की ओर से साझा किया गया यह श्लोक आदि शंकराचार्य द्वारा रचित 'गंगा स्तोत्रम' से लिया गया है। यह 'गंगा स्तोत्रम' का पहला श्लोक है। इस श्लोक में मां गंगा की दिव्यता, पवित्रता और मुक्तिदायिनी शक्ति की स्तुति की गई है। पहले ही श्लोक में गंगा के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करते हुए बुद्धि (मति) को उनके चरण-कमलों में स्थिर रखने की प्रार्थना की गई है।

इस श्लोक के माध्यम से मां गंगा से प्रार्थना की गई है कि हे देवताओं की स्वामिनी, परम पूज्य भगवती गंगा! आप तीनों लोकों का उद्धार करने वाली और चंचल, निर्मल तरंगों वाली हैं। भगवान शिव (शंकर) के मस्तक पर विहार करने वाली हे पवित्र मां, मेरी बुद्धि (मति) सदा आपके चरण-कमलों में स्थिर रहे। यानी मेरा मन सांसारिक भटकाव से दूर होकर आपकी भक्ति में लीन रहे।

यह श्लोक भक्त की उस स्थिति को दर्शाता है, जहां वह बाहरी भौतिक उपलब्धियों के बजाय स्थिर भक्ति और शुद्ध बुद्धि मांगता है। गंगा की चंचल तरंगों के बीच भक्त अपने चंचल मन को स्थिर करने के लिए मां के चरणों का आश्रय लेता है।

## मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब में मत्था टेका



अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** ।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर गुरु साहिब के चरणों में शीश नवाया। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा साहिब में अरदास की और समस्त दिल्लीवासियों तथा देशवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने गुरु नानक देव के जीवन, उनकी महान शिक्षाओं और मानवता के कल्याण के लिए किए गए उनके कार्यों को नमन करते हुए प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक अशोक गोयल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज सभी के लिए अत्यंत हर्ष और प्रसन्नता का अवसर है। गुरु नानक देव का जीवन और उनका दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है। उन्होंने ऐसे समय में समाज को सत्य, प्रेम, समानता और मानव सेवा का मार्ग दिखाया, जब सामाजिक भेदभाव और अनेक प्रकार की रूढ़ियां समाज में व्याप्त थीं। गुरु नानक देव ने अपने विचारों और आचरण से यह संदेश दिया कि ईश्वर एक है और उसकी संतान के रूप में सभी मनुष्य समान हैं।

## गुरु पर्व पर केजरीवाल ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गुरु पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। इस दौरान तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर केजरीवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी का पूरा जीवन मानवता के लिए एक संदेश है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। गुरु साहिब की शिक्षाएं कठिन परिस्थितियों में भी हमें सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गुरु पर्व के अवसर पर सभी को 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर देशवासियों और उनके अनुयायियों को शुभकामनाएं भी दीं।

## गुरु नानक देव का समानता व सेवा का संदेश आज भी प्रासंगिक : विजेंद्र गुप्ता

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की समानता, करुणा और निःस्वार्थ सेवा की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी सदियों पहले थीं। उनका संदेश हमें स्मरण कराता है कि मानवता जाति, पंथ और धर्म के सभी भेदभावों से ऊपर है तथा सच्ची आस्था का वास्तविक अर्थ दूसरों की सेवा में निहित है। विजेंद्र गुप्ता ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में माथा टेका और दिल्ली तथा देश की जनता की शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए अरदास की। गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाओं ने सामाजिक भेदभाव को चुनौती दी और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा एवं समानता को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने नाम जपो, किरत करो और वंड छको के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिद्धांत ईश्वर के स्मरण, ईमानदारी से आजीविका अर्जित करने और दूसरों के साथ मिल-बांटकर रहने की भावना पर बल देते हैं। ये सिद्धांत आज भी करुणा, आपसी सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व पर आधारित समाज के निर्माण के लिए नैतिक आधार प्रदान करते हैं। अपने दौरे के दौरान अध्यक्ष ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के ऐतिहासिक महत्व को भी स्मरण किया। यह पवित्र स्थल वर्ष 1675 में शहादत के बाद गुरु तेग बहादुर के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की स्मृति से जुड़ा है। नौवें सिख गुरु का अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धार्मिक आस्था की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का एक अमिट अध्याय है।



# दिल्ली में सिर्फ बीएस-वीआई गाड़ियों के प्रवेश और कमर्शियल वाहनों पर रोक से व्यापारियों को होगा नुकसान : सीटीआई

अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** । चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में सिर्फ बीएस-वीआई गाड़ियों के प्रवेश और कमर्शियल वाहनों पर रोक से स्थानीय व्यापार पर काफी असर होगा।इससे व्यापारी, कर्मचारी और उद्यमी प्रभावित हो सकते हैं। सीटीआई ने प्रेस विज्ञप्ति में सुप्रीम कोर्ट में प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान दिल्ली में सिर्फ बीएस-वीआई गाड़ियां चलाने और 5 साल में किसी भी कमर्शियल वाहन के प्रवेश पर रोक लगाने के सुझाव पर चिंता व्यक्त की। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट से अपील करते हुए कहा कि बिना वेयरहाउस, ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसपोर्टर को राहत दिए बिना कोई रोक न लगाई जाए। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि प्रदूषण रोकना बेहद जरूरी है, लेकिन अगर इस सुझाव को बिना तैयारी के लागू किया गया तो दिल्ली के 20 लाख से ज्यादा व्यापारी, उद्यमी, ट्रांसपोर्टर और उपभोक्ता सीधे प्रभावित होंगे और इनके परिवार के सदस्यों को जोड़ दिया जाए तो 50 लाख से ज्यादा लोगों की रोजी रोटी पर असर पड़ेगा । उद्योग संगठन ने प्रेस



विज्ञप्ति में कहा कि इससे दिल्ली में ट्रांसपोर्ट लागत 2 से 3 गुना बढ़ जाएगी, क्योंकि अभी ट्रक सीधे आजादपुर मंडी, सदर बाजार, चांदनी चौक, गांधी नगर, करोल बाग, कश्मीरी गेट, नया बाजार, खन्ना मार्केट, तीस हजारी, रोशनारा रोड़ और कमला मार्केट तक आते हैं। बॉर्डर वेयरहाउस वाली व्यवस्था में माल को बॉर्डर पर उतारना होगा, फिर वेयरहाउस में रखना होगा, फिर छोटी ईवी गाड़ियों से शहर में लाना होगा, यानी डबल लोडिंग-अनलोडिंग, वेयरहाउस किराया, ईवी का किराया। इसका सीधा बोझ दुकानदार और आम ग्राहक पर पड़ेगा। दिल्ली की इंडस्ट्री एनसीआर में जाने की संभावना पर चिंता जाहिर करते हुए सीटीआई ने आगे कहा कि बवाना, नरेला, ओखला, मायापुरी, झिलमिल, बदरपुर की हजारों फैक्ट्रियों में कच्चा माल ट्रकों से आता है और तैयार माल ट्रकों से जाता है। अगर ट्रक नहीं घुसेगा, तो फैक्ट्री मालिक अपनी फैक्ट्री गाजियाबाद, बहादुरगढ़, मानेसर, सोनीपत, फरीदाबाद शिफ्ट कर देंगे। दिल्ली में रोजगार घटेगा, इंडस्ट्री खाली हो जाएगी। सीटीआई ने मांग करते हुए कहा कि बिना लिखित रोडमैप के कोई तत्काल रोक न लगाई जाए। 5 साल की योजना को सरकार, व्यापारियों और ट्रांसपोर्टर के साथ बैठकर बनाया जाए। साथ ही कहा कि दिल्ली-एनसीआर को एक ही आर्थिक इकाई माना जाए। सिर्फ दिल्ली पर रोक लगाने से व्यापार दिल्ली से भागकर एनसीआर में चला जाएगा, प्रदूषण कम नहीं होगा, सिर्फ शिफ्ट होगा।

# भाजपा प्रमुख नितिन नवीन के एआई-जनरेटेड वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

**शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की साइबर सेल (आईएफएसओ) को मामले की जांच सौंप दी गई है।**



अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** । दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के एक फर्जी वीडियो के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाए गए इस फर्जी वीडियो में राष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े भ्रामक बयान शामिल थे, जिन्हें सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर फैलाया जा रहा था। इस वीडियो में नितिन नवीन को विवादास्पद बयान देते हुए दिखाया गया था। इसमें भारत-चीन संबंधों, पाकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान 'तेजस' के बारे में कथित तौर पर मनगढ़ंत और भ्रामक बातें कही गई थीं। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में भाजपा का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) से मिला। उन्होंने एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई और नितिन नवीन के भाषण के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की साइबर सेल (आईएफएसओ) को मामले की जांच सौंप दी गई है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। भाजपा के अनुसार, रविवार को चंडीगढ़ में दिए गए नितिन नवीन के भाषण के असली वीडियो के साथ एआई और डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके छेड़छाड़ की गई। इसके जरिए एक ऐसा फर्जी वीडियो तैयार किया गया, जिसमें संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर भ्रामक बातें शामिल थीं। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस से आग्रह किया कि वे इस विवादित वीडियो की फॉरेंसिक जांच कराएं, उचित कानूनी धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करें और एक निष्पक्ष व समयबद्ध जांच सुनिश्चित करें। शिकायत में यह भी मांग की गई है कि वीडियो को फैलाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान की जाए और उनके डिजिटल रिकॉर्ड (जैसे आईपी लॉग, लॉगिन विवरण और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सबूत) को सुरक्षित रखा जाए। भाजपा ने पुलिस से यह भी कहा है कि वे उचित कानूनी प्रक्रिया के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दें कि वे इस विवादित कंटेंट को हटा दें या उस तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दें। मीडिया से बात करते हुए हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि नवीन के भाषण की असली रिकॉर्डिंग के साथ छेड़छाड़ की गई है और एआई तथा डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके एक भ्रामक वीडियो बनाया गया है।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राजग में अकाली दल का स्वागत किया, बोले- पंजाब फिर होगा खुशहाल

अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** । शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच पंजाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के तहत साथ आने की घोषणा का पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने स्वागत किया है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए केवल सिंह ढिल्लों ने गुरु पर्व की बधाई देते हुए कहा कि आज बहुत शुभ दिन है। इस दिन दो पार्टियां एक मंच पर आई है। मौजूदा राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने बुरा हाल कर दिया है इसलिए अच्छी सरकार आएगी और पंजाब का भला होगा, पंजाब फिर से खुशहाल होगा। गठबंधन की घोषणा में भ्रष्टाचार और नशा खत्म करने की बात पर केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि सबसे पहले हम नशे को खत्म करेंगे। नशा पंजाब में बहुत बड़ी समस्या है। पंजाब की माली हालत बहुत बुरी है, पंजाब के कर्मचारियों



की समस्या है, पंजाब में हालात बहुत खराब हैं।उन्होंने कहा कि नौजवानों के लिए रोजगार नहीं है, हमारे नौजवान बाहर जा रहे हैं। हम इंडस्ट्रियलाइजेशन करेंगे और जब राजग गठबंधन की डबल इंजन की सरकार आएगी तो पंजाब में तरक्की होगी। पंजाब नशा मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि राजग गठबंधन सभी 117 सीटों पर चुनाव अकाली दल के साथ मिलकर लड़ेगा और जल्दी ही सीटों को लेकर सहमति बन जाएगी। मुख्यमंत्री के सवाल पर ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल बड़े भाई की भूमिका निभाएगा और गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा इसी दल से होगा।

# सेना के माइक्रोलाइट विमानों ने समुद्र के ऊपर भरी उड़ान, साहस का किया प्रदर्शन

अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** ।भारतीय सेना की 'विंग्स ऑफ वेलर एंड यूनिटी' अभियान टीम ने कच्छ की खाड़ी के ऊपर करीब 48 किलोमीटर की समुद्री दूरी हवाई मार्ग से तय कर एक नया कीर्तिमान बनाया। टीम ने जामनगर से मुंद्रा तक चार विमानों के समूह में उड़ान भरी। इस अभियान में दो माइक्रोलाइट विमान और दो पावर्ड हैंग ग्लाइडर शामिल थे। समुद्र के ऊपर इस उड़ान के दौरान टीम के सदस्यों ने अपने साहस, सटीक उड़ान कौशल और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। इस बीच मंगलवार 24 नवंबर को थलसेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ और भारतीय सेना के सभी पदों की ओर से समस्त देशवासियों को गुरु नानक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी गईं। सेना के इस हवाई अभियान का नेतृत्व भारतीय सेना की 'टीम माउंटेन ईगल्स' ने किया। इसका उद्देश्य देश में माइक्रोलाइट विमान उड़ान और पावर्ड हैंग



ग्लाइडिंग को बढ़ावा देना है। चार विमानों के एक साथ समुद्र पार करने की इस उपलब्धि ने साहसिक विमानन के क्षेत्र में एक नया उदाहरण पेश किया है। माइक्रोलाइट विमान आकार में छोटे और हल्के होते हैं। इनके जरिए लंबी दूरी की हवाई यात्रा करना विशेष तैयारी, उड़ान कौशल और साहस की मांग करता है। दरअसल सेना की टीम माउंटेन ईगल्स लगातार नए प्रयोगों और चुनौतीपूर्ण अभियानों के जरिए इन गतिविधियों की संभावनाओं को आगे बढ़ा रही है। यह अभियान भारतीय सेना के साहस, नवाचार और उत्कृष्टता की भावना को दर्शाता है।साथ ही, यह दिखाता है कि सेना के जवान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी नए लक्ष्य हासिल करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभक्ति और साहसिक अभियान का एक अनूठा संगम भी पेश किया है।

# आर्मी-एयरफोर्स में बेहतर तालमेल, एयरफोर्स चीफ ने किया संवाद

अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** । वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आर्मी की मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल संजय मित्रा से संवाद किया है। यह मुलाकात दोनों सेनाओं के बीच मजबूत सहयोग और साझा सैन्य तैयारियों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस मुलाकात के दौरान भारतीय वायुसेना और भारतीय थलसेना के बीच बेहतर तालमेल, संयुक्त कार्यक्षमता और पेशेवर सहयोग को मजबूत बनाने पर फोकस किया गया। इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान आर्मी व एयरफोर्स के बीच आपसी समझ और पेशेवर संबंधों की मजबूती भी सामने आई। गौरतलब है कि बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच थलसेना और वायुसेना के लिए मिलकर काम करना और एक-दूसरे की क्षमताओं का प्रभावी इस्तेमाल करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए दोनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और तालमेल जरूरी है। इस बातचीत ने संयुक्त अभियानों की तैयारी और दोनों सेनाओं की



कार्यक्षमता को एक साथ जोड़ने के महत्व को रेखांकित किया है। इसका उद्देश्य ऐसी परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी रखना है, जिनमें थलसेना और वायुसेना को मिलकर कार्रवाई करनी पड़े। यह मुलाकात दोनों सेनाओं के बीच मजबूत सहयोग और साझा सैन्य तैयारियों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। गौरतलब है कि 11 नवंबर को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में मैकेनाइज्ड फोर्सेज संगोष्ठी 2026 आयोजित की गई थी।

# दिल्ली पुलिस ने मध्य प्रदेश की दो नाबालिग बहनों को दो महीने बाद उनके पिता से मिलाया

अनप्लग इंडिया

**नई दिल्ली** ।घर पर बिना बताए काम की तलाश में दिल्ली आईं दो नाबालिग बहनों को पुलिस ने ढूंढ लिया है। पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि मंगलवार को पुलिस ने लगभग दो महीने की लगातार कोशिशों और काउंसलिंग के बाद, मध्य प्रदेश की दो नाबालिग बहनों (उम्र 10 और 17 साल) को सुरक्षित ढूंढ निकाला और उनके पिता से मिला दिया। पुलिस के अनुसार, ये लड़कियां अपने परिवार को बताए बिना घर से निकल गई थीं और काम की तलाश में दिल्ली आ गई थीं। पुलिस ने बताया कि 17 सितंबर को सेंट्रल दिल्ली में दो महिला पुलिसकर्मियों ने दोनों नाबालिग बहनों को देखा था। दोनों लड़कियां एक ई-रिक्शा से उतरी थीं और डरी हुई लग रही थीं। पुलिसकर्मी उनके पास गए और उनसे बात करने की कोशिश की। हालांकि, शुरुआत में लड़कियां अपनी पहचान, घर का पता या परिवार के सदस्यों के बारे में कुछ भी बताने से हिचकिचा रही थीं। उनकी उम्र और स्थिति को देख कर पुलिस टीम ने 'उड़ान शेल्टर होम' भेज दिया था। पुलिस ने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों ने लगभग दो महीने तक इन बहनों की काउंसलिंग की। उन्होंने लड़कियों का भरोसा जीतने और उनकी पहचान का पता लगाने के लिए लगातार कोशिश की। बातचीत के दौरान, लड़कियों ने अपना नाम बताया। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे अपने परिवार को बताए बिना घर से निकल आई थीं और काम की तलाश में दिल्ली आ गई थीं। इस मामले की जानकारी एसएचओ और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) 3 को दी गई। दोनों लड़कियों का मेडिकल कराया गया और अधिकारियों के निर्देशानुसार उन्हें शेल्टर होम में रखा गया। उनकी पहचान पक्की होने और परिवार के बारे में जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम ने उनके पिता को जानकारी दी।

## संक्षिप्त डायरी

### नोएडा के सेक्टर-4 में प्लास्टिक फूल बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग, 25 गाड़ियों ने पाया काबू

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-4 स्थित बी-134 में 23 नवंबर की देर रात एक बड़ी घटना सामने आई। यहां आर्टिफिशियल प्लास्टिक फूल बनाने वाली एक चार मंजिला कंपनी में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी तेज हो गईं कि उन्होंने पड़ोस में स्थित एक अन्य कंपनी को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत तथा बचाव कार्य शुरू किया गया। जिस समय कंपनी में आग लगी, उस वक्त इमारत के बेसमेंट के अंदर दो लोग सो रहे थे। आग की लपटें ऊपर की मंजिलों में तेजी से फैल रही थीं। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने मौके पर तुरंत कार्रवाई करते हुए बेसमेंट में सो रहे दोनों लोगों को बिना किसी नुकसान के सकुशल बाहर निकाल लिया। इस पूरी घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने या जनहानि की खबर नहीं है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने एक के बाद एक कई गाड़ियां मौके पर रवाना कीं। आग पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए दमकल की कुल 25 गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद जब आग बुझ गई, तो दमकलकर्मियों ने तुरंत कूलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी, ताकि इमारत के किसी हिस्से में दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे के अनुसार, रात करीब एक बजे कंपनी में अज्ञात कारणों की वजह से अचानक आग लग गई थी। आग फैलने के कारण पास की दूसरी कंपनी भी इसकी जद में आ गई, जिससे दोनों ही कंपनियों के अंदर रखा भारी मात्रा में सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने जानकारी दी कि फिलहाल मौके पर कूलिंग का काम चल रहा है। इसके साथ ही आग लगने के असली कारणों की जांच की जा रही है और दोनों कंपनियों में हुए कुल नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

### किसानों का धरना स्थगित हुआ

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** एनटीपीसी दादरी परियोजना से प्रभावित 24 गांवों के किसानों ने एनटीपीसी गेट पर 25 नवंबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना फिलहाल स्थगित कर दिया है। अधिकारियों से समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने यह फैसला लिया है। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी मेधा रूपम और अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय सिंह से मुलाकात की और बढ़े हुए मुआवजे से संबंधित न्यायालय के आदेश उन्हें सौंपा। भारतीय किसान यूनियन मंच के जिला प्रभारी अजब सिंह भाटी ने कहा कि किसान अपने हक से पीछे नहीं हटेंगे। तय समय तक समाधान नहीं हुआ तो दोबारा आंदोलन शुरू किया जाएगा। किसान लंबे समय से अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस अवसर पर सुखपाल भाटी, अन्नू सरपंच, विकास रूपवास, सत्यवीर फौजी, धूम सिंह, विजय भगत, भूपेंद्र मुखिया और प्रदीप कसाना आदि मौजूद रहे।

### पेंशनरों के लिए विशेष कैंप लगेंगे

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश सरकार के पेंशनरों द्वारा वर्ष में एक बार किसी भी माह में जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रस्तुत किए जाने की व्यवस्था है, जो एक वर्ष तक प्रभावी रहता है। वर्तमान में पेंशनरों को कोषागार में उपस्थित हुए बिना भी जीवित प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। पेंशनर अपनी बैंक शाखा या जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से अपने निवास स्थान से मोबाइल द्वारा अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते है। इसके लिए पेंशनर को अपने मोबाइल में आधार फेस आरडी ऐप एवं जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होता है। उत्तर प्रदेश शासन ने डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र के अधिकाधिक उपयोग के क्रियान्वयन के लिए 26 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक दनकौर ब्लाक परिसर में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कोषाधिकारी शिखा गुप्ता ने बताया कि दनकौर में निवास करने वाले सभी पेंशनरों से अपील है कि जिन पेंशनरों ने अबतक अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया, वे शिविर में डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। शिविर में आने वाले सभी पेंशनर अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

### जेवर में हुआ 125 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** जेवर क्षेत्र में आंखों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा मिल रही है। नवंबर 2025 से नवंबर 2026 तक जेवर ब्लॉक के 124 मरीज अपनी आंखों का ऑपरेशन करा चुके हैं। यह सुविधा जेवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और नोएडा के एक निजी आई केयर अस्पताल के बीच हुए आपसी समझौते के तहत उपलब्ध कराई जा रही है। जेवर सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ सर्फे जेया ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से मरीजों को ऑपरेशन के लिए संबंधित अस्पताल भेजा जाता है। मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन के साथ दवाइयों, अस्पताल में ठहरने और आने-जाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

### एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** बीआरसी कार्यालय जेवर में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्षों के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने की। इसमें विकासखंड के 113 विद्यालयों के एसएमसी अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति स्कूल और समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

### यातायात नियमों के उल्लंघन पर 6980 वाहनों के ई-चालान

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** जिले में सोमवार को यातायात पुलिस ने जांच अभियान चलाया। इसमें यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुल 6980 वाहनों के ई-चालान और आठ गाड़ियां सीज की गई। यातायात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यातायात पुलिसकर्मियों ने 2883 चालान और आईएसटीएमएस कैमरों से 4097 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा बिना हेलमेट 2410 वाहनों के चालान किए गए। विशेष अभियान के तहत नो पार्किंग के कारण 726, बिना सीट बेल्ट 176, लाल बत्ती के उल्लंघन पर 298, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 129, तेज गति में वाहन दौड़ाने की वजह से 361 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के कारण 67 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, सेक्टर 128 स्थित ज्ञानश्री पब्लिक स्कूल में छात्र छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

### मरीज से गलत व्यवहार पर ईएमओ को नोटिस

अनप्लग इंडिया

**नोएडा।**आपातकालीन विभाग में मरीज से गलत व्यवहार पर इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (ईएमओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं एक अन्य मामले में सोमवार को स्वास्थ्यकर्मी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। आपातकालीन विभाग में मरीज की शिकायत पर ईएमओ को नोटिस जारी किया गया है। वहीं, एक स्वास्थ्यकर्मी ने गाड़ी सही स्थान पर खड़े करने के लिए कहने पर सुरक्षा गार्ड से बदसलूकी की। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. डॉ. अशोक कुमार झा ने बताया कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी का व्यवहार मरीजों के साथ अच्छा होना चाहिए। मरीज पहले से ही परेशान होते हैं। ऐसे समय में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को सही व्यवहार करना चाहिए। भविष्य में मरीजों के साथ गलत व्यवहार होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के खिलाफ किसान महापंचायत का ऐलान, बीकेयू ने नलगाडा में बनाई रणनीति

अनप्लग इंडिया



**नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर जिले में किसानों की रुकी हुई मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन फिर से तेज होने जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से किसान महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। संगठन ने जिले के इन तीनों विकास प्राधिकरणों के विरोध में बड़े स्तर पर महापंचायत की तैयारी की है। आंदोलन की ठोस रणनीति बनाने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा स्थित नलगाडा कार्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गौतमबुद्ध नगर जिले के अंतर्गत आने वाली सभी तहसीलों, ब्लॉकों और गांवों के किसान पदाधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में किसानों की वर्तमान समस्याओं पर विचार किया गया। इसके साथ ही महापंचायत की आगे की तैयारियों और अलग-अलग पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गईं। नोएडा के नलगाडा कार्यालय में संपन्न हुई इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता सवेरा मास्टर ने की। बैठक की कार्यवाही का संचालन जेवर के जिला अध्यक्ष रॉबिन नागर और संगठन के जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने किया। बैठक समाप्त होने के पश्चात भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता पवन खटाना ने किसानों को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। पवन खटाना ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिले का किसान अब सिर्फ अधिकारियों के आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होने वाला है। पवन खटाना ने कहा कि तीनों प्राधिकरण और शासन किसानों की अधिग्रहित जमीन पर लगातार विकास कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद जिन किसानों की जमीनें ली गई हैं, उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड, जमीनों की बैकलीज, किसान परिवारों के लिए रोजगार और पारदर्शी मुआवजा किसानों का अधिकार है, यह कोई भीख नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि संगठन इस विषय पर पहले भी कई बार बातचीत कर चुका है और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे जा चुके हैं। लेकिन जब तक मांगों पर लिखित फैसला नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि तीनों प्राधिकरणों के कार्यालयों पर महापंचायत आयोजित की जाएगी और जरूरत पड़ी तो इस आंदोलन को दिल्ली तक ले जाया जाएगा। उन्होंने जिले के सभी किसानों, युवाओं और पदाधिकारियों से एकजुट होकर महापंचायत में पहुंचने की अपील की। हालांकि, महापंचायत की तय तारीख और स्थान की घोषणा होना अभी बाकी है। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने संगठन की रणनीति साझा की। सुनील प्रधान ने कहा कि समीक्षा बैठक में संगठन ने किसान महापंचायत को सफल बनाने के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता जाहिर की है। इसके लिए संगठन की तरफ से गांव-गांव जाकर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। महापंचायत वाले दिन प्रत्येक गांव से किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर सीधे महापंचायत स्थल की ओर कूच करेंगे। उन्होंने बताया कि महापंचायत आयोजित करने की सटीक तारीख और स्थान की घोषणा जल्द ही आधिकारिक रूप से कर दी जाएगी। किसानों की प्रमुख मांगें और बैठक में उपस्थित पदाधिकारी समीक्षा बैठक के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेंद्र नागर ने किसानों की विभिन्न लंबित मांगों को प्रमुखता से रेखांकित किया। सुरेंद्र नागर ने मांग रखी कि किसानों को 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड का तत्काल आवंटन किया जाए। इसके अलावा उन्होंने बैकलीज तथा पुश्तैनी आबादी के मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, भूमि अधिग्रहण के एवज में उचित मुआवजा देने और नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ प्रदान करने की मांग की। उन्होंने प्रभावित किसान परिवारों के युवाओं को रोजगार देने और गांवों में सड़क, नाली, पीने का पानी तथा सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्यू नोएडा सहित तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों के किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

## अधिसूचित जमीन पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी



अनप्लग इंडिया

**नोएडा।** यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र की जमीन पर कॉलोनाइजर अवैध कॉलोनी काट रहे हैं। जगनपुर-अफजलपुर की जिस जमीन पर कॉलोनी काटी जा रही है, वहां ग्रीन बेल्ट प्रस्तावित है। यीडा ने जिस किसान की जमीन का अधिग्रहण किया था, अब उस किसान ने जमीन वापस मांगी है। किसान का कहना है कि यदि प्राधिकरण उनसे खरीदी जमीन पर योजना में नहीं ला रही है तो उसे वापस किया जाना चाहिए। खेड़ा चौगानपुर गांव के निवासी संदीप भाटी ने इसको लेकर यमुना प्राधिकरण में शिकायत की है। जगनपुर अफजलपुर गांव में उसकी साढ़े 22 बीघा जमीन थी। यीडा ने साढ़े 21 बीघा जमीन का अधिग्रहण कर लिया। उसे मुआवजा मिल चुका है। बताया कि प्राधिकरण ने उसकी जमीन खरीदी थी, लेकिन वहां कॉलोनी काटी जा रही हैं। कई बार शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। कॉलोनाइजर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर भूखंड बेच रहे हैं, जबकि यह जमीन यीडा की है। वैसे भी अधिसूचित एरिया में इस तरह की गतिविधियां नहीं हो सकती हैं। पिछले हफ्ते यीडा के सीईओ आरके सिंह से शिकायतकर्ता संदीप भाटी ने मुलाकात की थी। उन्हें पूरा मामला भी बताया था। संदीप ने सीईओ से मांग की यदि उसकी जमीन पर योजना नहीं है तो उसे वापस कर दी जाए। वह मुआवजा वापस कर देगा। संदीप ने बताया कि प्राधिकरण की जमीन पर प्लाटिंग की जा रही है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है।

# गांजा तस्करी समेत विभिन्न मामलों में 9 गिरफ्तार, 20.6 किलो गांजा और नकली मार्का के 227 पाइप बरामद

अनप्लग इंडिया




**नोएडा।** गौतमबुद्धनगर पुलिस ने जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी, अवैध हथियार, शराब और नकली उत्पादों के मामलों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-24 पुलिस और एंटी नारकोटिक्स सेल ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया। वहीं, अन्य थाना क्षेत्रों में अवैध चाकू, देशी शराब और नकली मार्का लगे पाइप बरामद किए गए हैं। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक उमेश नैथानी ने बताया कि स्थानीय खुफिया सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद से गांजा तस्करी करने वाले अजय कुमार निवासी अलीगढ़ और राजेश साह निवासी खगड़िया, बिहार को आरटीओ कार्यालय के पीछे गंदे नाले के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से एक सूटकेस में रखे बंडलों से 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस को यात्रा से संबंधित टिकट की छायाप्रति भी मिली है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दूसरे राज्यों से ट्रेन के जरिए गांजा लाकर नोएडा और एनसीआर में पुड़िया बनाकर ऊंचे दामों पर बेचते थे। थाना फेस-1 पुलिस ने सेक्टर-14 के पास राहुल निवासी पारस सिंह को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला के अनुसार आरोपी के कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में उसके चोरी की नीयत से घूमने की जानकारी सामने आई है। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र शंकर पांडे के अनुसार अनिल प्रजापति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 26 पव्वे देशी शराब बरामद की गई। वहीं, बरौला गांव के पास से ऋतिक पंडित को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से अवैध चाकू मिला। दादरी पुलिस ने भी अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा के मुताबिक शमशाद अबासी, दीन मोहम्मद उर्फ गुड्डन और ब्रह्मजीत को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। तीनों के कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुए हैं। उधर, बादलपुर थाना क्षेत्र के बिसरख मोड़ के पास तिरुपति एन्क्लेव कॉलोनी में सैनिटरी की दुकान पर छापा मारकर पुलिस ने सुप्रीम कंपनी के नकली मार्का लगे 227 प्लास्टिक पाइप बरामद किए। थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के न्यू अशोक नगर, वसुंधरा एन्क्लेव निवासी दीवान सिंह क्यूआईआईपी कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि हैं, जिन्हें कंपनी के असली और नकली उत्पादों की पहचान का अधिकार है।

## नोएडा सेक्टर 140ए में हुआ नई पुलिस चौकी का शुभारंभ

अनप्लग इंडिया



**नोएडा।** सेक्टर-137 के समीप सेक्टर-140ए स्थित साइबरथ्म पुलिस चौकी का शुभारंभ क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई पुलिस चौकी शुरू होने से सेक्टर-137 और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा के लिहाज से बेहतर पुलिस व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। पुलिस चौकी के उद्घाटन अवसर पर एनओएफएए के महासचिव सुरोजीत दासगुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह का स्वागत किया। इसके बाद पुलिस आयुक्त ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में नवनिर्मित पुलिस चौकी का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में एक्सोटिका फ्रेस्को एओए की अध्यक्ष कविता कुमार राजेश, पारस टिएरा के अध्यक्ष सुखपाल सिंह राणा, गुलशन विवांते के अखिल अग्रवाल सहित विभिन्न सोसायटियों के प्रतिनिधि, गणमान्य अतिथि और सामुदायिक प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर एनओएफएए के महासचिव सुरोजीत दासगुप्ता ने कहा कि सेक्टर-137 के नजदीक एक और पुलिस चौकी की स्थापना स्वागत योग्य पहल है। इससे क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति बढ़ेगी और निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई चौकी से सेक्टर-137 के साथ-साथ आसपास के सेक्टरों में रहने वाले लोगों के बीच सुरक्षा की भावना और मजबूत होगी। दासगुप्ता ने गौतमबुद्ध नगर पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नई पुलिस चौकी का शुभारंभ स्थानीय निवासियों और सामुदायिक प्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

## ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने छपरौला में 3 एकड़ जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त, 24 करोड़ की संपत्ति से हटाया अवैध कब्जा

अनप्लग इंडिया



**नोएडा।।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार को छपरौला स्थित सहारा समतल में अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर करीब तीन एकड़ (12 हजार वर्ग मीटर) जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई। मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 24 करोड़ रुपये है। सुबह 6:30 बजे से 9:30 बजे तक चली कार्रवाई में अवैध रूप से बने कई मकान, प्रॉपर्टी डीलरों की दुकानें और जमीन पर कब्जे के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल ध्वस्त कर दी गईं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर परियोजना विभाग की टीम जेसीबी और डंपर लेकर मौके पर पहुंची। कार्रवाई का नेतृत्व ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने किया। टीम में उप महाप्रबंधक परियोजना विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, प्रबंधक नीतीश कुमार, सहायक प्रबंधक भूपेंद्र त्यागी सहित बादलपुर कोतवाली पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्तीकरण अभियान पूरा किया। इसके बाद परियोजना विभाग के वर्क सर्किल-1 की टीम वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर के नेतृत्व में शाहबेरी पहुंची, जहां एक जर्जर मकान को सील करने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस की मदद से सीलिंग की कार्रवाई पूरी की जाएगी। मौके पर चौकी प्रभारी विपिन कुमार और पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि सहारा समतल क्षेत्र प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आता है। यहां बिना अनुमति निर्माण करने की छूट नहीं है। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी। सीईओ डॉ. बलकार सिंह ने अधिसूचित क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल को अभियान चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त करने की हिदायत दी गई है। एसीईओ सुमित यादव ने लोगों से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर उसकी पूरी जानकारी लें और अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई निवेश करने से बचें।

# प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी में भीषण आग

अनप्लग इंडिया



**नोएडा।** सेक्टर-छह स्थित प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने वाली एक कंपनी में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। प्लास्टिक सामग्री और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं के कारण आग तेजी से फैल गई। सूचना पर पहुंची दमकल की 25 गाड़ियों ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे से इलाके में अफरातफरी मच गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-छह में स्थित निजी कंपनी में देर रात अचानक आग लग गई। शुरूआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए विभाग को तत्काल सूचना दी गई। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी की बौछार की गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान तैयार किया जाता है। ऐसे में परिसर में प्लास्टिक से बनी सामग्री और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं मौजूद होने के चलते आग तेजी से फैल गई। पूरी बिल्डिंग में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब पांच घंटे तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने के बाद भी किसी प्रकार की दोबारा आग लगने की आशंका को खत्म करने के लिए दमकल विभाग की ओर से कूलडाउन (कूलिंग) प्रक्रिया जारी रखी गई। देर रात हुई इस घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बना रहा। आसपास की कंपनियों में काम करने वाले लोग बाहर निकल आए। हालांकि, रविवार का दिन होने के चलते आसपास की कंपनियों में काम करने वाले लोगों की संख्या अधिक नहीं थी। फेज-वन थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकलकर्मियों के लिए रास्तों को साफ कराया। आग बुझने तक पुलिस मौजूद रही। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। 25 दमकल गाड़ियों के साथ चलाया गया अभियान आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने बड़े स्तर पर संसाधन लगाए। आग बुझाने के लिए 25 गाड़ियों के अलावा वॉटर टावर, थर्मल इमेजिंग कैमरा, रिवॉल्विंग मॉनिटर और रोबोट जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। दमकलकर्मियों ने अलग-अलग दिशाओं से आग बुझाने का अभियान चलाया। इस दौरान बगल की बिल्डिंग में फैली आग पर भी काबू पाया गया। आग बुझने के बाद सोमवार शाम तक तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर लगाया गया, ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका को खत्म किया जा सके। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका शुरूआती जानकारी में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। कंपनी में प्लास्टिक और सजावटी उत्पादों से जुड़ी सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका जताई गई है। राहत की बात यह है कि घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से कंपनी की इमारत और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन किया जाना बाकी है। औद्योगिक क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा पर फिर उठे सवाल सेक्टर-छह में हुई आग की इस घटना ने नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। औद्योगिक इकाइयों में बिजली के उपकरणों, वायरिंग और ज्वलनशील सामग्री की मौजूदगी को देखते हुए नियमित सुरक्षा जांच बेहद जरूरी है। इस घटना के बाद संबंधित विभागों की जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि आग किन परिस्थितियों में लगी और कंपनी में अग्नि सुरक्षा के क्या इंतजाम थे।

## संपादकीय

# बिहार की बदलती तस्वीर विकास की नई राह पर आगे बढ़ता राज्य



बिहार का नाम आते ही कभी राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, अपराध, पलायन और बदहाल व्यवस्था की चर्चा होने लगती थी। एक समय ऐसा भी था जब बिहार की पहचान विकास की संभावनाओं से अधिक राजनीतिक विवादों और कानून व्यवस्था की चुनौतियों के कारण बनती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य की तस्वीर बदलने के प्रयासों ने विकास की एक नई उम्मीद पैदा की है। सड़क, बिजली, पुल, शिक्षा, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में हो रहे काम इस बात का संकेत हैं कि बिहार अब अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को वैशाली दौरा और लगभग 34,470 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास इसी बदलती सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

बिहार की प्रगति को केवल राजनीतिक नारों के आधार पर नहीं परखा जा सकता। इसके लिए जमीन पर दिखाई देने वाले बदलावों को समझना जरूरी है। गंगा नदी पर बना नीतीश सेतु इसका बड़ा उदाहरण है। लगभग 4,280 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 19.7 किलोमीटर लंबी छह लेन की यह परियोजना पटना और वैशाली के बीच आवागमन को आसान बनाएगी। इससे राघोपुर दियारा के लाखों लोगों को बारहमासी सड़क संपर्क मिलेगा। पहले जिन लोगों को नाव और पीपा पुल के सहारे आवागमन करना पड़ता था, उन्हें अब बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। किसानों के लिए अपनी उपज बाजार तक पहुंचाना आसान होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। यह केवल एक पुल नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आर्थिक संपर्क मजबूत करने वाला माध्यम है।

बिहार की बदलती तस्वीर में बिजली क्षेत्र की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बक्सर के चौसा ताप विद्युत संयंत्र की दूसरी 660 मेगावाट इकाई राष्ट्र को समर्पित की गई है। पीरपैंती बिजली परियोजना के लिए पारेषण व्यवस्था और नवादा के फुलवरिया बांध पर तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र भी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे हैं। बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए 1,130 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का लोकार्पण और किसानों को सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली देने की योजना कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकती है। हालांकि इन योजनाओं की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बिजली गांवों और खेतों तक नियमित रूप से पहुंचती है या नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में निवेश और विकास की चर्चा करते हुए पुरानी राजनीतिक व्यवस्था पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले बिहार घोटालों के कारण चर्चा में रहता था, जबकि अब निवेश और विकास परियोजनाओं की बात होती है। इस राजनीतिक टिप्पणी के पीछे एक महत्वपूर्ण सवाल भी है कि क्या बिहार वास्तव में अपनी पुरानी आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकल रहा है? इसका उत्तर अभी पूरी तरह हां में देना जल्दबाजी होगी, लेकिन बुनियादी ढांचे में निवेश, सड़क संपर्क और बिजली उत्पादन में विस्तार सकारात्मक संकेत अवश्य हैं। बिहार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार और युवाओं का पलायन रोकने की है। प्रधानमंत्री ने लखनऊ में कौशल दीक्षांत समारोह में कहा कि दुनिया को केवल विश्वविद्यालयों से निकले स्नातक नहीं,

# जलवायु न्याय के सवाल पर बँटी दुनिया



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक नई दिल्ली

पृथ्वी का बढ़ता तापमान अब केवल वैज्ञानिकों की चिंता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। कहीं भीषण गर्मी जनजीवन को प्रभावित कर रही है, कहीं बाढ़ और चक्रवात बस्तियों को उजाड़ रहे हैं तो कहीं सूखे के कारण खेतों में खड़ी फसलें नष्ट हो रही हैं। हिमनदों का पिघलना, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और मौसम के असामान्य व्यवहार ने दुनिया को चेतावनी दे दी है कि प्रकृति के साथ मनुष्य का असंतुलित व्यवहार अब भारी पड़ने लगा है। ऐसी परिस्थितियों में विश्व के देशों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने मतभेद भुलाकर पृथ्वी को बचाने के लिए साझा रास्ता तैयार करें। लेकिन तुर्किये के अंताल्या में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का परिणाम बताता है कि पर्यावरण की चिंता और राष्ट्रीय हितों के बीच अभी भी गहरी खाई मौजूद है।

नौ से बीस नवंबर 2026 तक निर्धारित यह सम्मेलन दो दिन अतिरिक्त चलने के बाद 22 नवंबर को समाप्त हुआ। तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में लगभग दो सौ देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दुनिया को उम्मीद थी कि यहां जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कोई ठोस राजनीतिक सहमति बनेगी। विशेष रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने, विकासशील देशों को आर्थिक सहायता देने और तापमान वृद्धि को सीमित रखने के उपायों पर महत्वपूर्ण निर्णय होने की संभावना थी। लेकिन अंतिम क्षणों में देशों के बीच मतभेद इतने गहरे हो गए कि सम्मेलन की मुख्य राजनीतिक घोषणा पर सहमति नहीं बन सकी। इसे अंताल्या समझौते का नाम दिया गया था, लेकिन यह घोषणा स्वीकृत नहीं हो पाई।

इस गतिरोध का सबसे बड़ा कारण कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के भविष्य को लेकर देशों के अलग-अलग दृष्टिकोण थे। इन ईंधनों के जलने से बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित होता है, जो पृथ्वी के तापमान में वृद्धि का प्रमुख कारण है। वर्ष 2023 में दुबई में आयोजित जलवायु सम्मेलन में देशों ने ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधनों से न्यायपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से दूर जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। अंताल्या में अपेक्षा थी कि उस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए व्यावहारिक दिशा और समयबद्ध प्रयासों पर सहमति बनेगी।

शुरुआती मसौदे में जीवाश्म ईंधनों से दूरी बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराने की बात शामिल थी। लेकिन बाद के मसौदों में इस भाषा को कमजोर किया गया और अंतिम प्रस्ताव से जीवाश्म ईंधन का उल्लेख ही हटा दिया गया। इसके स्थान पर कार्बन को पकड़कर सुरक्षित रखने वाली तकनीकों को अधिक महत्व दिया गया। यही बदलाव विवाद का केंद्र बन गया। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, नॉर्वे, पनामा और कई छोटे द्वीपीय देशों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि जिस समझौते में जलवायु संकट के प्रमुख कारण का उल्लेख तक नहीं है, वह पृथ्वी को बचाने की दिशा में विश्वसनीय कदम नहीं हो सकता।

दूसरी ओर, जीवाश्म ईंधन उत्पादक देशों और अनेक विकासशील देशों की चिंताएं अलग थीं। उनका तर्क था कि ऊर्जा परिवर्तन की प्रक्रिया प्रत्येक देश की आर्थिक स्थिति, संसाधनों और विकास की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए। विकासशील देशों के लिए बिजली, उद्योग, परिवहन और रोजगार का विस्तार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहायता और आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराए बिना जीवाश्म ईंधन का उपयोग अचानक कम करने के लिए बाध्य किया जाता है, तो इसका सबसे अधिक असर गरीब आबादी पर पड़ेगा। सऊदी अरब और रूस जैसे देशों ने जीवाश्म ईंधन के विरुद्ध कठोर भाषा का विरोध किया। इस प्रकार सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास का प्रश्न भी प्रमुख बन गया।



इस पूरे विवाद में भारत का पक्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए यह स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर विकासशील देशों के विकास के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत का आग्रह था कि विकसित देशों को अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। औद्योगिक विकास के लंबे दौर में उन्होंने वातावरण में बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित किया है। आज जब विकासशील देश अपनी आबादी को बिजली, रोजगार, परिवहन और बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं, तब उन पर समान शर्तें थोपना न्यायसंगत नहीं होगा।

भारत ने समान लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर दिया। इसका आशय है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी सभी देशों की है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक भूमिका और आर्थिक क्षमताओं के अनुसार दायित्व अलग-अलग होने चाहिए। भारत की ओर से वार्ता में यह सवाल भी उठाया गया कि जब दुनिया तापमान वृद्धि की सीमा पार करने के खतरे का सामना कर रही है, तब यह भी तय होना चाहिए कि वातावरण में जमा कार्बन के लिए ऐतिहासिक रूप से कौन अधिक जिम्मेदार रहा है और भविष्य के परिवर्तन का आर्थिक भार कौन उठाएगा।

जलवायु वित्त का प्रश्न भी सम्मेलन में विवाद का बड़ा कारण बना। विकासशील देशों को समुद्र के बढ़ते जलस्तर, सूखे, बाढ़, चक्रवात और कृषि संकट से निपटने के लिए बड़ी धनराशि की आवश्यकता है। उन्हें ऐसी तकनीक और संसाधन चाहिए जिनसे वे अपने शहरों, गांवों, कृषि व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं को जलवायु के अनुकूल बना सकें। लेकिन आर्थिक सहायता के वादों और वास्तविक उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। भारत सहित अनेक देशों ने चिंता जताई कि विकसित देश पर्याप्त और सुनिश्चित आर्थिक सहायता देने के प्रश्न पर गंभीर बातचीत से पीछे हट रहे हैं। केवल उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य निर्धारित कर देना पर्याप्त नहीं है। उन लक्ष्यों को पूरा करने के साधन भी उपलब्ध कराने होंगे।

चीन ने भी सम्मेलन के परिणाम पर निराशा व्यक्त की, लेकिन बहुपक्षीय सहयोग जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इससे स्पष्ट हुआ कि विकासशील देशों की चिंताएं केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। हालांकि सभी देशों के हित और प्राथमिकताएं समान नहीं हैं, फिर भी ऐतिहासिक जिम्मेदारी, आर्थिक सहायता और न्यायपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन जैसे प्रश्नों पर उनकी चिंताओं में समानता दिखाई देती है।

यह कहना उचित नहीं होगा कि अंताल्या सम्मेलन पूरी तरह निष्फल रहा। मुख्य राजनीतिक घोषणा पर सहमति नहीं बन सकी, लेकिन न्यायपूर्ण परिवर्तन, अनुकूलन और जलवायु वित्त से जुड़े कुछ अलग निर्णय हुए। इन निर्णयों के माध्यम से प्रभावित समुदायों, श्रमिकों और विकासशील देशों की जरूरतों पर आगे काम करने का रास्ता बना रहा। फिर भी इन प्रयासों को मुख्य राजनीतिक गतिरोध की भरपाई नहीं माना जा सकता। जब तक जीवाश्म ईंधनों से दूरी, आर्थिक सहायता और जिम्मेदारियों के बंटवारे पर स्पष्ट सहमति नहीं बनती, तब तक वैश्विक जलवायु प्रयास अधूरे रहेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने सम्मेलन के परिणाम पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ता कक्ष में सहमति नहीं बन पाने के बावजूद विज्ञान के निष्कर्षों में कोई अस्पष्टता नहीं है। उनका संदेश था कि जलवायु संकट किसी राजनीतिक समझौते की प्रतीक्षा नहीं करेगा। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके प्रभाव पहले से अधिक गंभीर होते जा रहे हैं।

अंताल्या का घटनाक्रम दुनिया के सामने एक बुनियादी सवाल छोड़ गया है। क्या आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी मानकर ही आगे बढ़ा जाएगा, या इनके बीच न्यायपूर्ण संतुलन स्थापित किया जा सकता है? भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां बड़ी आबादी की ऊर्जा आवश्यकताएं, कृषि, उद्योग और रोजगार की चुनौतियां एक साथ मौजूद हैं। हमें स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार, सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग, सार्वजनिक परिवहन तथा ऊर्जा दक्षता पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही विकसित देशों से यह अपेक्षा भी उचित है कि वे आर्थिक सहायता और तकनीकी सहयोग के अपने दायित्व निभाएं।

अंताल्या सम्मेलन की सबसे बड़ी सीख यही है कि पृथ्वी को बचाने की लड़ाई केवल घोषणाओं से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, आर्थिक न्याय, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साझा जिम्मेदारी आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन किसी देश की सीमा, भाषा, धर्म या राजनीतिक विचारधारा को पहचानकर अपना प्रभाव नहीं डालता। इसका संकट पूरी मानवता का संकट है। इसलिए समाधान भी पूरी मानवता की साझी कोशिश से ही निकलेगा। यदि शक्तिशाली देश अपने आर्थिक हितों को सर्वोपरि रखते रहे और कमजोर देशों की आवाज अनसुनी होती रही, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। पृथ्वी किसी एक देश की संपत्ति नहीं, बल्कि हम सबकी साझा विरासत है। इसे सुरक्षित रखना केवल सरकारों का दायित्व नहीं, बल्कि वर्तमान पीढ़ी का भविष्य के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है।

# देव दिवाली : जब धरती पर उतर आते हैं देवता

महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक, नई दिल्ली



भारत के त्योहार केवल तिथियों और परंपराओं का उत्सव नहीं होते, वे हमारी सभ्यता, संस्कृति, आस्था और सामूहिक चेतना के जीवंत दस्तावेज भी हैं। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई कथा, कोई विश्वास और जीवन को देखने का एक विशेष दृष्टिकोण समेटे हुए है। दीपावली के पंद्रह दिन बाद जब कार्तिक पूर्णिमा की चांदनी धरती पर उतरती है, तब उत्तर प्रदेश की प्राचीन नगरी काशी एक बार फिर दीपों की अद्भुत आभा से जगमगा उठती है। यह अवसर होता है देव दीपावली का, जिसे देवताओं की दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वर्ग की रोशनी धरती पर उतर आई हो और गंगा के पावन तट पर देवताओं ने स्वयं दीपोत्सव का आयोजन किया हो।

भारतीय धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देव दीपावली कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन देवता स्वर्ग से उतरकर भगवान शिव की नगरी काशी आते हैं और मां गंगा में स्नान करते हैं। इसी विश्वास के कारण इस पर्व का विशेष धार्मिक महत्व है। जहां सामान्य दीपावली भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने और भगवान गणेश तथा माता लक्ष्मी की आराधना से जुड़ी है, वहीं देव दीपावली का संबंध भगवान शिव की विजय, गंगा की महिमा और देवताओं के उत्सव से है। वर्ष 2026 में यह पावन पर्व 24 नवंबर, मंगलवार को मनाया जाएगा।

देव दीपावली के पीछे एक महत्वपूर्ण पौराणिक कथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि त्रिपुरासुर नामक असुर ने अपनी शक्ति और अहंकार के बल पर तीन नगरों का निर्माण किया था। इन नगरों के कारण देवताओं और समस्त संसार में भय तथा अशांति फैल गई थी। त्रिपुरासुर के अत्याचारों से परेशान होकर देवताओं ने भगवान शिव से सहायता की प्रार्थना की। तब भगवान शिव ने अपने दिव्य बाण से त्रिपुरासुर के तीनों नगरों का विनाश कर संसार को उसके आतंक से मुक्त कराया। इस विजय के उपलक्ष्य में देवताओं ने भगवान शिव की नगरी काशी में दीप जलाकर उत्सव मनाया। इसी कारण कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा और त्रिपुरोत्सव भी कहा जाता है। यह कथा हमें बताती है कि शक्ति का वास्तविक उद्देश्य दूसरों को भयभीत करना नहीं, बल्कि अन्याय और अत्याचार का अंत करना है।

काशी में देव दीपावली का स्वरूप अत्यंत मनोहारी होता है। गंगा के दोनों किनारों पर बने असंख्य घाट इस दिन दीपों से सजाए जाते हैं। दशाश्वमेध घाट, अस्सी घाट, पंचगंगा घाट, राजघाट और अन्य घाटों की सीढ़ियों पर जब मिट्टी के दीप एक साथ प्रज्वलित होते हैं, तब पूरी नगरी प्रकाश के समुद्र में बदल जाती है। गंगा की लहरों पर तैरते दीप ऐसे दिखाई देते हैं, मानो आकाश के असंख्य तारे धरती पर उतरकर जल में अपना प्रतिबिंब खोज रहे हों। मंदिरों के शिखर, प्राचीन भवनों की दीवारें और घाटों की सीढ़ियां एक अलग ही आभा से भर उठती हैं।

इस दृश्य की विशेषता केवल उसकी भव्यता नहीं, बल्कि उसमें छिपी सामूहिक भागीदारी भी है। कोई अपने घर से दीप लेकर आता है, कोई घाटों की सफाई और सजावट में सहयोग करता है, तो कोई गंगा किनारे दीपदान करके अपनी श्रद्धा प्रकट करता है। हजारों हाथों से जलाए गए दीप यह संदेश देते हैं कि किसी भी बड़े सांस्कृतिक आयोजन की आत्मा जनसहभागिता में बसती है। यहां अमीर और गरीब, छोटा और बड़ा, देशी और विदेशी का भेद कुछ क्षणों के लिए पीछे छूट जाता है। सभी एक ही प्रकाश के सहभागी बन जाते हैं।

देव दीपावली पर गंगा आरती का दृश्य भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण होता है। पुरोहितों के हाथों में प्रज्वलित दीप, धूप की सुगंध, शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और वैदिक मंत्रों का उच्चारण वातावरण को भक्तिमय बना देता है। गंगा की लहरों के सामने जब आरती की लौ ऊपर उठती है, तब मनुष्य को प्रकृति के प्रति अपनी निर्भरता और कृतज्ञता का सहज बोध होता है। मां गंगा भारतीय जीवन में केवल एक नदी नहीं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, आस्था और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक हैं। उनकी आराधना वास्तव में जल और प्रकृति के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर भी है।

इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष कार्तिक स्नान और दीपदान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा अथवा किसी पवित्र जलाशय में स्नान करना पुण्यकारी माना जाता है। श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान करते हैं, भगवान शिव और विष्णु की पूजा करते हैं तथा जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करते हैं। संध्या के समय गंगा में दीप प्रवाहित करने की परंपरा भी निभाई जाती है। इन दीपों के माध्यम से लोग अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं और परिवार तथा समाज के कल्याण की कामना करते हैं। हालांकि दीपदान का वास्तविक संदेश केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर सद्भाव, करुणा और परोपकार का प्रकाश जगाने की प्रेरणा भी देता है।

काशी की देव दीपावली का ऐतिहासिक विकास भी उल्लेखनीय है। इस आयोजन की परंपरा के विस्तार में महारानी अहिल्याबाई होल्कर का योगदान विशेष रूप से स्मरण किया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार के एक ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, अठारहवीं शताब्दी में पंचगंगा घाट पर हजार दीपों से युक्त दीपस्तंभ का निर्माण इस परंपरा के आरंभिक महत्वपूर्ण पड़ावों में माना जाता है। बाद में काशी नरेश और स्थानीय लोगों के सहयोग से यह आयोजन व्यापक होता गया। समय के साथ देव दीपावली ने धार्मिक अनुष्ठान से आगे बढ़कर काशी की सांस्कृतिक पहचान का स्वरूप धारण कर लिया। आज यह पर्व देश-विदेश के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

देव दीपावली का महत्व पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी बढ़ा है। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु और पर्यटक काशी पहुंचते हैं। नावों पर बैठकर गंगा के दोनों ओर जगमगाते घाटों को देखना एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाता है। स्थानीय कारीगरों, नाविकों, फूल विक्रेताओं, दुकानदारों और छोटे व्यवसायियों को भी इस आयोजन से रोजगार के अवसर मिलते हैं। भारतीय संस्कृति की यह विशेषता है कि यहां धार्मिक उत्सव सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देते हैं। हालांकि बढ़ती भीड़ के बीच घाटों की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और नदी की पवित्रता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

आज जब दुनिया प्रदूषण, जल संकट और पर्यावरण असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब देव दीपावली हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराने का अवसर देती है। गंगा की पूजा तभी सार्थक होगी जब हम उनके जल को स्वच्छ रखने का संकल्प भी लें। दीपदान के नाम पर प्लास्टिक, रासायनिक रंगों और अन्य प्रदूषणकारी वस्तुओं का उपयोग करने से बचना चाहिए। मिट्टी के दीपों और प्राकृतिक सामग्री को प्राथमिकता देकर हम इस परंपरा को अधिक पर्यावरण अनुकूल बना सकते हैं। हमारी आस्था का सम्मान तभी पूर्ण होगा, जब वह प्रकृति के संरक्षण से भी जुड़ी होगी।

काशी की देव दीपावली हमें यह भी समझाती है कि प्रकाश का अर्थ केवल अंधकार को दूर करना नहीं है। वास्तविक प्रकाश वह है जो मनुष्य के भीतर से अहंकार, घृणा, ईर्ष्या और संवेदनहीनता को समाप्त करे। घरों और घाटों पर हजारों दीप जलाना तभी सार्थक होगा, जब हम किसी जरूरतमंद के जीवन में भी आशा का दीप जला सकें। किसी निराश व्यक्ति को सहारा देना, किसी भूखे को भोजन कराना, किसी अकेले व्यक्ति के साथ कुछ समय बिताना और समाज में प्रेम तथा सद्भाव बढ़ाना भी अपने आप में दीपदान है।

देव दीपावली की रात जब पूर्णिमा का चंद्रमा गंगा के जल में अपनी चांदनी बिखेरता है और घाटों पर जलते दीप उसकी रोशनी से संवाद करते दिखाई देते हैं, तब काशी केवल एक नगर नहीं रह जाती, वह भारतीय सभ्यता की जीवंत अनुभूति बन जाती है। यहां अतीत और वर्तमान एक साथ खड़े दिखाई देते हैं। प्राचीन मंदिरों की घंटियां आधुनिक समय की भागदौड़ के बीच भी मनुष्य को ठहरकर अपने भीतर झांकने का अवसर देती हैं।

शायद यही देव दीपावली की सबसे बड़ी विशेषता है। यह हमें बताती है कि प्रकाश की कोई सीमा नहीं होती। एक छोटा-सा दीप भी घने अंधकार को चुनौती दे सकता है। काशी के घाटों पर जलने वाले असंख्य दीप इसी विश्वास को सामूहिक स्वर देते हैं। देवताओं की इस दीपावली में मनुष्य के लिए भी एक संदेश छिपा है कि अपने जीवन को इतना उज्ज्वल बनाइए कि उसकी रोशनी दूसरों तक भी पहुंचे। जब मनुष्य के भीतर करुणा, प्रेम और सद्भाव के दीप जलेंगे, तभी धरती पर सच्चे अर्थों में देव दीपावली का उत्सव साकार होगा।

# सड़क हादसों पर लगाम कब लगेगी आखिर कब समझेंगे लोग अपनी जिंदगी और परिवार की कीमत

**कांतिलाल मांडोत**

सड़क दुर्घटनाएं आज देश के सामने एक गंभीर समस्या बन चुकी हैं। हर दिन समाचार पत्रों और समाचार माध्यमों में कहीं न कहीं सड़क हादसों की खबरें पढ़ने और देखने को मिलती हैं। कहीं तेज रफ्तार ने किसी परिवार का सहारा छीन लिया तो कहीं नशे में वाहन चलाने वाले की लापरवाही ने कई परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। इन दुर्घटनाओं में केवल एक व्यक्ति की जान नहीं जाती, बल्कि उसके साथ पूरे परिवार के सपने, उम्मीदें और भविष्य भी प्रभावित होते हैं। सबसे दुखद बात यह है कि इन हादसों के पीछे ज्यादातर कारण ऐसे होते हैं, जिनसे बचा जा सकता है। इसके बावजूद सड़क पर लापरवाही का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

देश में सड़क सुरक्षा को लेकर कई प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों और बड़े शहरों में हजारों आधुनिक कैमरे लगाए गए हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान भी पहले की तुलना में कई गुना बढ़े हैं। जुर्माने की राशि में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार चिंता बढ़ा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2014 से 2018 के बीच पांच वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 7.36 लाख लोगों की मौत हुई, जबकि 2020 से 2024 के बीच यह संख्या बढ़कर 8.04 लाख तक पहुंच गई। यानी निगरानी और जुर्माने की सख्ती के बावजूद मौतों में करीब 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह स्थिति बताती है कि केवल कैमरे लगाने और चालान काटने से सड़क दुर्घटनाओं पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती।

इस समस्या का एक बड़ा कारण सड़क सुरक्षा के उपायों का सही जगह पर नहीं पहुंचना भी है। राष्ट्रीय राजमार्गों और बड़े शहरों में निगरानी के साधन उपलब्ध हैं, लेकिन राज्य राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों पर आज भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली लगभग 63.5 प्रतिशत मौतें राज्य राजमार्गों और ग्रामीण मार्गों पर होती हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़क सुरक्षा की योजनाएं केवल बड़े शहरों और राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं रहें। गांवों को जोड़ने वाली सड़कों, छोटे कस्बों और राज्य राजमार्गों पर भी निगरानी, संकेतक, रोशनी और यातायात नियंत्रण की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए।

सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण तेज रफ्तार है। कई वाहन चालक सड़क को अपनी निजी संपत्ति समझकर वाहन दौड़ाते हैं। उन्हें न अपनी जान की चिंता रहती है और न सामने से आने वाले वाहन में बैठे लोगों की। कुछ लोग शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करके वाहन चलाते हैं। यह केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि दूसरों की जिंदगी को खतरे में डालने जैसा है। मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, गलत दिशा में गाड़ी ले जाना, बिना हेलमेट दोपहिया चलाना और सीट बेल्ट नहीं लगाना भी दुर्घटनाओं




के खतरे को बढ़ाता है। आरटीओ के नियम स्पष्ट हैं, लेकिन सड़कों पर इन नियमों की धज्जियां उड़ती दिखाई देती हैं। नियम बनाने का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी कई अवसरों पर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। उनका कहना है कि सड़क पर दुर्घटनाओं के दृश्य देखकर मन विचलित हो जाता है। दुर्घटनाओं में परिवार के परिवार उजड़ जाते हैं। यह चिंता केवल सरकार या प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होनी चाहिए। जब किसी घर का कमाने वाला सदस्य दुर्घटना का शिकार होता है तो पीछे रह गए माता-पिता, पत्नी और बच्चों के सामने जीवनभर का संकट खड़ा हो जाता है। किसी परिवार का इकलौता बेटा चला जाता है तो बूढ़े माता-पिता की उम्मीदें टूट जाती हैं। किसी घर का पिता दुर्घटना में अपनी जान गंवा देता है तो छोटे बच्चों का भविष्य अनिश्चित हो जाता है। क्या कुछ मिनट पहले पहुंचने की जल्दबाजी इतनी बड़ी कीमत वसूलने योग्य है?

सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। सबसे पहले दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान करके वहां सड़क की बनावट में सुधार करना चाहिए। जहां बार-बार हादसे होते हैं, वहां उचित संकेतक, रोशनी, गति सीमा और अन्य सुरक्षा उपाय जरूरी हैं। सड़कों पर अवैध कट, खराब मोड़, गड्ढे और बिना संकेत वाले निर्माण कार्य भी दुर्घटनाओं को न्योता देते हैं। इनकी समय पर मरम्मत होनी चाहिए। चालान काटने की व्यवस्था के साथ उसका निपटारा भी आसान बनाया जाए, ताकि दूसरे राज्यों में जारी चालानों का भुगतान वाहन मालिक अपने जिले से कर सकें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर निष्पक्ष और नियमित कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके साथ ही वाहन चालकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। माता-पिता अपने बच्चों को कम उम्र में वाहन चलाने की अनुमति न दें। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि तेज रफ्तार दिखाना बहादुरी नहीं है। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, निर्धारित गति से वाहन चलाना और नशे की हालत में वाहन से दूर रहना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। लंबी यात्रा पर निकलने से पहले वाहन की जांच करवानी चाहिए और थकान होने पर आराम करना चाहिए। सड़क पर पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों के प्रति भी सावधानी रखनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर वाहन चालक घर से निकलते समय अपने परिवार का चेहरा याद रखे। घर में माता-पिता, पत्नी, बच्चे और अन्य परिजन उसकी सुरक्षित वापसी की प्रतीक्षा करते हैं। सड़क पर की गई कुछ क्षणों की लापरवाही पूरे परिवार को जीवनभर का दर्द दे सकती है। इसलिए वाहन धीरे चलाइए, यातायात नियमों का पालन कीजिए और दूसरों की जिंदगी का भी सम्मान कीजिए। सड़क किसी की रफ्तार दिखाने का मैदान नहीं है। मंजिल पर कुछ मिनट देर से पहुंचना कोई नुकसान नहीं, लेकिन सुरक्षित घर लौटना सबसे बड़ी उपलब्धि है। आखिर जिंदगी अनमोल है और इसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। अपनी जान की फिक्र कीजिए, अपने परिवार की खुशियों की रक्षा कीजिए और सड़क सुरक्षा को अपनी आदत बनाइए।

# संत महापुरुष संपूर्ण समाज की धरोहर: धनखड़




**अनप्लग इंडिया**

**चंडीगढ।** भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए संत रविदास की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि रविदास जी की शिक्षाओं को घर घर तक पहुंचाने के लिए 18 नवंबर से तीन दिसंबर तक देशव्यापी समरसता संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही हैं। पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सच खंड बल्ला से शुरू होकर हरियाणा में यात्रा 25 नवंबर को प्रवेश करेगी और 28 नवंबर को पलवल होते हुए काशी जाएगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री मंत्री, केंद्रीय मंत्री पार्टी पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता और नागरिक यात्रा का भव्य तरीके से स्वागत करेगी। झज्जर जिला के नागरिक और कार्यकर्ता 26 नवंबर को यात्रा में भागीदार होंगे। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने कर्म करने और फल से संतुष्ट होने का संदेश दिया है। उनकी शिक्षाएं सर्व समाज के लिए हितकारी हैं। इसलिए 650 वर्ष बाद भी उनको याद किया जा रहा है और आगे भी याद किया जाता रहेगा। पत्रकार वार्ता से पहले किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष औम प्रकाश धनखड़ ने दीन बंधु छोटूराम जी की फोटो पर पुष्पांजलि करते हुए नमन किया। उन्होंने दीन बंधु को किसानों का सच्चा हितैषी बताया और कहा कि मोदी सरकार उनकी किसान हितैषी सोच को आगे बढ़ा रही है।

पत्रकार वार्ता में दुष्यंत चौटाला के सवाल पर धनखड़ ने करारा जवाब देते हुए

कहा कि शानदार तरीके से बनने जा रही है यूपी में योगी की सरकार। धनखड़ बोले, कहने के लिए नहीं, हकीकत में है योगी आदित्यनाथ योगी। योगी आदित्यनाथ के सीएम रहते हर वर्ग को सुरक्षा और शांति विकास का भरोसा मिला है।

पंजाब चुनाव को लेकर किए गए सवाल का जवाब देते हुए धनखड़ ने कहा कि पंजाब की जनता खुशी का रास्ता चुनने जा रही है और भाजपा अकाली दल गठबंधन सरकार बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि भगवत मान सरकार ने पंजाब में ट्रक भर - भर कर नशा परोसा है। उन्होंने दावा किया कि निराशा बहुत है पंजाब में, जनता चाहती है बदलाव। पंजाब की मौजूदा खराब हालत के लिए पूरी तरह से आप पार्टी की भगवन्त सरकार जिम्मेदार है। इस दौरान जिला प्रभारी हरविंदर कोहली, जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि,जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना,वरिष्ठ भाजपा नेता संजय कबलाना, अशोक मुंडाखेड़ा, जिला महिला अध्यक्ष सोमवती जाखड़, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद बाढसा , ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुनील जांगड़ा, सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

**अनप्लग इंडिया**

**चंडीगढ।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं केवल किसी एक धर्म, समाज या समय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनकी शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज को सत्य, सेवा, समानता और सद्भाव का संदेश दिया। गुरु साहिब ने जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव की दीवारों को चुनौती देते हुए कहा कि परमात्मा की बनाई इस दुनिया में हर इंसान बराबर है।

मुख्यमंत्री सोमवार देर शाम यमुनानगर स्थित कपालमोचन की पावन धरती पर श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दूर-दूर से पहुंचे साध-संगत का अभिनंदन करते हुए प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ड्रोन, लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से हरियाणा की गौरवशाली विरासत को आकाश में साकार होते दिखाया गया। इसमें श्री गुरु नानक देव जी का सत्य, सेवा और समानता का संदेश, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का कपालमोचन में 52 दिनों का प्रवास तथा बाबा बंदा सिंह बहादुर जी का शौर्य प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने श्राईन बोर्ड को धर्मशालाओं के विकास के लिए 2 करोड़ रुपये की सहायता की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा




कि तीर्थराज कपालमोचन हमारी साझा आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत प्रतीक है। महाभारत और पुराणों की परंपराओं में भी इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। श्री गुरु नानक देव जी ने भी इस पावन स्थल पर अपने चरण रखे थे। भंगाणी के युद्ध के बाद दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का यहां 52 दिनों तक ठहरना इस भूमि के सिख इतिहास से गहरे संबंध को दर्शाता है।

**गुरु नानक देव जी ने दिया समानता और मानवता का संदेश**

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने 'एक ओंकार' का संदेश देकर पूरी मानव जाति को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की वाणी में यह सार्वभौमिक भावना अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त होती है- 'अवल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदे। एक नूर ते सब जग उपजिया, कौन भले कौन मंदे।'

उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानव जीवन को दिशा देने वाले तीन सरल सिद्धांत दिए- नाम जपो, किरत करो और वंड छको। ये सिद्धांत हमें आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ एक जिम्मेदार नागरिक बनने का मार्ग भी दिखाते हैं। यदि हम इन सिद्धांतों को अपने घर, कार्यस्थल और समाज में अपनाएं तो अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने महिलाओं के सम्मान और समानता का भी संदेश दिया। उन्होंने नारी के सम्मान और समाज में उसकी महत्ता को रेखांकित किया।

**प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सिख गुरुओं की स्मृति को मिला राष्ट्रीय सम्मान**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सिख गुरुओं की स्मृति और उनके महान संदेश को देशभर में सम्मान देने के अनेक कार्य किए हैं। वर्ष 2019 में श्री गुरु नानक देव जी का 550 वां प्रकाश पर्व पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। सुल्तानपुर लोधी को विरासत शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। पंजाब के गुरदासपुर में डेरा बाबा नानक से श्री करतारपुर साहिब गलियारे का विकास किया गया, जिसके लिए 120 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की स्मृति में जामनगर में 750 बिस्तरों वाले अस्पताल का उद्घाटन किया। वहीं, श्री अमृतसर साहिब से श्री नांदेड़ साहिब तक तीर्थयात्रियों के लिए विशेष उड़ान की व्यवस्था भी की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष को देशभर में मनाने का निर्णय लिया। इसी कड़ी में 24 अप्रैल, 2022 को पानीपत की ऐतिहासिक धरती पर 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400 वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। इसके अलावा, साहिबजादों के बलिदान को स्मरण करते हुए प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।

हरियाणा में सिख गुरुओं की स्मृति में किए जा रहे अनेक कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की पावन धरा का सिख गुरुओं से गहरा संबंध रहा है। अंबाला जिले का लखनौर साहिब अकाल पुरख श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की ननिहाल थी और उनका बचपन वहां बीता।

# हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पात्र अतिथि अध्यापकों को नियमित करे सरकार : सैलजा

**अनप्लग इंडिया**

**चंडीगढ़।** सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पिछले करीब 21 वर्षों से सेवाएं दे रहे लगभग 12 हजार अतिथि अध्यापक आज भी नियमितीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्षों तक प्रदेश के लाखों बच्चों का भविष्य संवारने वाले इन शिक्षकों को अपने ही भविष्य की चिंता सताना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार को इन अनुभवी अध्यापकों की समस्याओं का संवेदनशीलता और न्यायसंगत तरीके से समाधान करना चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण से जुड़े मामलों में माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों तथा लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह पात्र शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए स्पष्ट नीति और समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करे।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। एक ओर हजारों अतिथि अध्यापक नियमितीकरण के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में अध्यापकों के हजारों पद रिक्त पड़े हैं। भाजपा सरकार न तो अतिथि अध्यापकों की समस्याओं का स्थायी समाधान कर रही है और न ही रिक्त पदों पर पर्याप्त संख्या में नए अध्यापकों की नियमित नियुक्तियां कर रही है। इसका सीधा असर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों की शिक्षा पर पड़ रहा है।

सांसद ने कहा कि कांग्रेस हमेशा शिक्षकों के सम्मान, रोजगार की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा की पक्षधर रही है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनुभवी अध्यापकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ योग्य युवाओं को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार के अवसर देना भी आवश्यक है।

कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मांग की कि सरकार हाईकोर्ट के लागू निर्देशों का पालन करते हुए पात्र अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण की प्रक्रिया बिना अनावश्यक देरी के आगे बढ़ाए। साथ ही सभी रिक्त शिक्षकीय पदों का विवरण सार्वजनिक कर नियमित भर्ती का समयबद्ध कार्यक्रम घोषित करे।

कुमारी सैलजा ने कहा कि शिक्षकों का भविष्य असुरक्षित रखकर बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता। प्रदेश सरकार को शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर राजनीतिक बयानबाजी के बजाय ठोस निर्णय लेने चाहिए।

# हरियाणा में पानी की बर्बादी रोकने के लिए बनेगा कानून, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई : मंत्री रणबीर गंगवा

**अनप्लग इंडिया**

**चंडीगढ़।** हरियाणा में पीने के पानी की बर्बादी रोकने और जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए भाजपा सरकार सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रदेश सरकार इसके लिए कानून लाने पर विचार कर रही है। इस कानून के लागू होने के बाद पानी का दुरुपयोग करने और निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी। प्रदेश के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पानी का सही तरीके से इस्तेमाल सुनिश्चित करना और इसकी बर्बादी पर रोक लगाना है। इसके लिए कानूनी प्रावधान तैयार किए जा रहे हैं, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई हो सके। बिसलेरी के पानी में संभावित कैंसरकारी तत्वों के मामले पर भी नजर

बिसलेरी कंपनी के पानी में कैंसर के संभावित तत्व मिलने से जुड़े कथित मामले पर भी मंत्री रणबीर गंगवा ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि विभाग इस मामले पर नजर रख रहा है। यदि आवश्यकता महसूस हुई तो सरकार की ओर से उचित कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस पर मंत्री रणबीर गंगवा का निशाना

मंत्री रणबीर गंगवा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि 26 नवंबर को हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस को मुद्दाविहीन पार्टी बताते हुए कहा कि उसके पास जनता से जुड़े कोई ठोस मुद्दे नहीं हैं और लोग उसे नकार चुके हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेताओं ने अपनी सत्ता और कुर्सी बचाने के लिए देश में आपातकाल लगाया था।



अब वही नेता सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर टिप्पणियां कर रहे हैं, जो सही नहीं है। सरकार के प्रस्तावित कानून का उद्देश्य प्रदेश में पीने के पानी की बर्बादी रोकना और उसके इस्तेमाल को लेकर जवाबदेही तय करना है। हालांकि, कानून के प्रावधान और कार्रवाई का स्वरूप अभी सामने आना बाकी है।

# शहर में श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से मनाया गया श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव

**अनप्लग इंडिया**

**करनाल।** नीलोखेड़ी में जगत गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्री गुरुद्वारा सिंह सभा रेलवे रोड एवं बन्नूसाल धर्मसाल गुरुद्वारा में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोनों गुरुद्वारा साहिब को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। सुबह से ही भारी संख्या में संगत ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष नतमस्तक होकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दो दिन पूर्व रखे गए श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला गया। गुरुद्वारा सिंह सभा के हेड ग्रंथी भाई जोगिंदर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की तथा संगत को कड़ा प्रसाद वितरित



किया गया। स्त्री सत्संग सभा की ओर से गुरबाणी कीर्तन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट चमकौर सिंह चमन, बीबी हरनीत कौर खालसा, पृथ्वी सिंह एवं नवनीत कौर खालसा ने गुरु साहिब के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिख गुरुओं का जीवन त्याग, तपस्या, मानवता की सेवा और सामाजिक एकता की अनुपम मिसाल है। गुरु साहिब की शिक्षाएं आज भी समाज को एकजुट करने तथा प्रत्येक व्यक्ति के मान-सम्मान की रक्षा करने का मार्ग दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी द्वारा शुरू की गई किरत करो वंड छको लंगर की परंपरा समाज में समानता, विनम्रता, सेवा और भाईचारे का अद्भुत संदेश देती है। इस पावन अवसर पर सरबत दा भला यूथ ट्रस्ट नीलोखेड़ी की ओर से एजुकेशन लंगर वितरित किया गया। वहीं जन कल्याण सेवा सोसाइटी की ओर से संगत के लिए जल सेवा की गई। कार्यक्रम के उपरांत विशाल गुरु का लंगर भी वरताया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री गुरु सिंह सभा के मीत प्रधान हरदमन साही, सुरेंद्र सिंह, अमरजीत सिंह,जसबीर ऑटो, सतनाम सिंह, बलबीर मारवाह, गुरमीत लाडी, बलबीर फौजी, नवजोत सिंह ,(नूर), स्वर्ण सिंह, तेजपाल, रॉबिन, राजेंद्र सिंह (काला), त्रिलोक सिंह, (हंसपाल), गुरविंदर सिंह वसीर, एवं कुलदीप सिंह सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

# पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाएं योजनाबद्ध कदम: मंत्री कृष्ण लाल पंवार

**अनप्लग इंडिया**

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में पंचायत राज संस्थाओं से जुड़े तकनीकी सत्रों में ग्रामीण शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। इन सत्रों के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों में पंचायतों के स्तर पर अपनाई जा रही व्यवस्थाओं, अनुभवों और बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने के साथ हरियाणा में पंचायत व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के सुझावों पर विचार किया गया।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि पंचायतों को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। उन्होंने पंचायती भूमि का व्यावसायिक उपयोग सुनिश्चित करने और पंचायतों की आमदनी बढ़ाने के लिए नए संसाधन विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर निर्धारित प्रारूप अनुसार ग्राम सभाएं आयोजित करें और संबंधित विभागों के अधिकारी भी आवश्यक रूप से शामिल हों। उन्होंने कहा कि गांवों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए पंचायतों को दूरदर्शी सोच के साथ विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से आपसी समन्वय,



सहभागिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। इनके आर्थिक रूप से सशक्त होने से गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य भी साकार होगा।

दिनभर चले सत्रों में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करने और उन्हें लागू करने में किस प्रकार अधिक सक्षम बन सकती हैं। पंचायतों के पास उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल, अपने स्तर पर आय बढ़ाने के विकल्प, सरकारी अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया और विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त धन जुटाने के तरीकों पर चर्चा हुई। इसके अलावा पंचायतों के अधिकारों और जिम्मेदारियों, ग्रामीणों को मिलने वाली सुविधाओं, सरकारी संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, डिजिटल रिकॉर्ड, वित्तीय लेखांकन और नियमित ऑडिट के जरिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे विषय भी चर्चा के केंद्र में रहे। सम्मेलन के पहले सत्र में पंचायतों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा हुई। इसमें विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार, जेएनयू के प्रोफेसर शक्ति कुमार, डॉ. परमा चक्रवर्ती, एच.के. अमरनाथ और डॉ. प्रार्थना ने राजस्व के स्रोतों एवं अनुदानों के बेहतर उपयोग पर विचार रखे। दूसरे सत्र में पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता पर चर्चा हुई। इसमें प्रोफेसर एस.पी. सिंह, प्रोफेसर मीनाकेतन बेहेरा, प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार, डॉ. रीनू अनेजा और सीए रोहिणी अग्रवाल ने सुझाव दिए। तीसरे सत्र में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से प्रश्नावली के माध्यम से पंचायतों के कामकाज और सुधार की संभावनाओं पर सुझाव प्राप्त किए।

# गुड गवर्नेंस पुरस्कार के लिए आवेदन करने की आज अंतिम तिथि: डीसी

**अनप्लग इंडिया**

**रेवाड़ी।** हरियाणा सरकार ने सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, नवाचार और बेहतर प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 (हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026) के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 के अनुसार, राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को 51,000 रुपये प्रति सदस्य तथा जिला स्तर पर चयनित कर्मचारियों को 31,000 रुपये प्रति सदस्य नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विजेताओं को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। डीसी ने बताया कि हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 के तहत राज्य स्तर पर दो श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें राज्य फ्लैगशिप पुरस्कार और राज्य पुरस्कार शामिल हैं। दोनों श्रेणियों में अधिकतम पांच-पांच पुरस्कार प्रदान किए जा सकेंगे। राज्य स्तर के पुरस्कार विजेताओं को 51,000 रुपये प्रति सदस्य की दर से नकद राशि मिलेगी। साथ ही, हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। प्रशस्ति पत्र की प्रति संबंधित प्रशासनिक सचिव के माध्यम से कर्मचारी की सर्विस बुक में भी रखी जा सकेगी।

जिला स्तर पर भी होंगे सम्मानित

जिला स्तर पर प्रत्येक जिला में अधिकतम पांच पुरस्कार दिए जा सकेंगे। इन पुरस्कारों के तहत चयनित कर्मचारियों को 31,000 रुपये प्रति सदस्य नकद राशि, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। जिला स्तर के पुरस्कारों के लिए प्रशस्ति पत्र संबंधित मंडलायुक्त द्वारा जारी किया जाएगा। इसके लिए उपायुक्त की सिफारिश आवश्यक होगी। पुरस्कारों की स्वीकृति संबंधित जिला के उपायुक्त द्वारा दी जाएगी।

चार कर्मचारियों की टीम भी कर सकेगी आवेदन

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 के तहत कोई कर्मचारी व्यक्तिगत रूप से या अधिकतम चार सदस्यों की टीम के रूप में आवेदन कर सकता है।

# जींद- सोनीपत ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर मौत के अवैध कट

**अनप्लग इंडिया**

**जींद।** जींद-सोनीपत ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए एनएचएआई ने भले ही गांवों से एंट्री और एग्जिट बंद रखी हों, लेकिन जींद के खरकरामजी गांव के पास लोगों ने हाईवे के नियमों और रोड सेफ्टी को ठेंगा दिखा हाईवे के दोनों तरफ मिट्टी डालकर ऐसे अवैध रास्ते बना लिए गए हैं, जिनसे कार, ट्रैक्टर, बाइक और दूसरे वाहन सीधे हाईवे पर चढ़ और उतर रहे हैं। तेज रफ्तार से दौड़ते वाहनों के बीच अचानक किसी वाहन के इन चोर रास्तों से हाईवे पर आ जाने से कभी भी बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है।

जींद से गोहाना के बीच करीब 45 किलोमीटर लंबे इस ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर एनएचएआई ने किसी भी गांव से वाहनों के प्रवेश और निकास की व्यवस्था नहीं की है। हाईवे को इसी तरह तैयार किया गया है कि वाहन निर्धारित प्रवेश और निकास बिंदुओं से ही आएं-जाएं। इसके बावजूद जींद के खरकरामजी गांव के पास मिट्टी डालकर दोनों तरफ रास्ते बना लिए गए हैं। इन रास्तों से वाहन चालक सीधे खेतों और आसपास के रास्तों से हाईवे पर एंट्री ओर हाईवे से एग्जिट ले रहे हैं। हाईवे पर तेज गति से आ रहे वाहनों के चालकों को इन रास्तों से अचानक निकलने वाले वाहनों का अंदाजा तक नहीं होता। ऐसे में दोनों तरफ से आने वाले वाहनों की टक्कर किसी बड़े हादसे का सबब बन सकती है।

**सुरक्षा दीवार भी तोड़ी, खेतों से हाइवे पर एंट्री**

जींद-सोनीपत ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर खेतों और हाईवे के बीच किसी पशु या व्यक्ति के अचानक आ जाने की आशंका को रोकने के लिए एनएचएआई ने लाखों रुपये खर्च कर दोनों तरफ सुरक्षा दीवार बनाई है, मगर जींद जिले की सीमा में कई जगह इस दीवार को तोड़कर हाईवे तक पहुंचने के रास्ते बना लिए गए हैं। इन रास्तों से लोग खेतों से बाइक और स्कूटी ही नहीं, बल्कि कई बार ट्रैक्टर तक सीधे हाईवे पर चढ़ा देते हैं। जिस सुरक्षा दीवार का मकसद हाईवे पर अचानक



किसी के आने को रोकना था, उसे तोड़कर ही हादसों का रास्ता खोल दिया गया है।

**टोल बैरियर के पास हाईवे पर दुकानें, सड़क किनारे रुकते हैं वाहन**

जींद-सोनीपत ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर भिड़ताना टोल बैरियर के पास भी नियमों की अनदेखी हो रही है। यहां चाय, ढाबे और खाने-पीने के सामान की अवैध दुकानें बना ली गई हैं। वाहन चालक और उनमें सवार लोग इन दुकानों पर रुककर चाय-नाश्ता और खाने-पीने का सामान लेते हैं। इस दौरान वाहन हाईवे के किनारे खड़े रहते हैं। तेज रफ्तार से आने वाले दूसरे वाहनों के लिए सड़क किनारे खड़े ये वाहन भी खतरा बन सकते हैं। हाईवे पर जहां वाहनों को बिना अनावश्यक रुकावट के सुरक्षित गुजरने की व्यवस्था होनी चाहिए, वहां दुकानें और वाहनों का रुकना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

**रोड सेफ्टी की बैठक में उठेगा मामला**

जींद जिला रोड सेफ्टी संगठन के सदस्य सुनील वशिष्ठ ने कहा कि ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर इस तरह अवैध रास्ते बनाना रोड सेफ्टी के साथ खिलवाड़ है। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक किसी वाहन के हाईवे पर आने से कभी भी जानलेवा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले को अगले महीने होने वाली रोड सेफ्टी की बैठक में उठाया जाएगा, ताकि अवैध रास्तों को बंद करवाने और हाईवे की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई करवाई जा सके।

**डिप्टी स्पीकर बोले, एनएचएआई अधिकारियों से करेंगे बात**

जींद के भाजपा विधायक एवं हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे पर अवैध रास्ते बनाए जाने का मामला गंभीर है। वह इस संबंध में एनएचएआई के अधिकारियों से खुद बात करेंगे। हाईवे पर चढ़ने और उतरने के लिए बनाए गए अवैध रास्तों को बंद करवाया जाएगा, ताकि किसी तरह के सड़क हादसे की आशंका को रोका जा सके।

## संक्षिप्त डायरी

### बरेका परिसर में मौत बनकर आई तेज रफ्तार, रेलिंग से टकराई स्कूटी; 13 साल के अंजनेय की गई जान

अनप्लग इंडिया

**चंदौली** बरेका परिसर में स्कूटी अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में 13 वर्षीय अंजनेय गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) परिसर में मंगलवार तड़के हुए सड़क हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। स्कूटी अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल किशोर को तत्काल बीएचयू ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। चितईपुर थाना क्षेत्र के 11 कैलाशपुरी कॉलोनी (नेवादा, सुंदरपुर) निवासी अभिषेक त्रिपाठी का पुत्र अंजनेय त्रिपाठी (13) मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे स्कूटी लेकर निकला था। वह बरेका के मुख्य गेट से करीब 300 मीटर अंदर परिसर में पहुंचा था, तभी उसकी स्कूटी अचानक अनियंत्रित हो गई। इसके बाद स्कूटी लोहे की रेलिंग और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया हादसे की सूचना मिलते ही मंडुवाडीह पुलिस मौके पर पहुंची। इस बीच किशोर के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस और परिजनों की मदद से गंभीर रूप से घायल अंजनेय को तत्काल बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बरेका परिसर के भीतर हुए इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। महज 13 साल की उम्र में किशोर की सड़क दुर्घटना में मौत से परिवार और आसपास के लोगों में शोक है। हादसा तड़के करीब 4:30 बजे हुआ, जब परिसर में आवाजाही अपेक्षाकृत कम रहती है। फिलहाल स्कूटी अनियंत्रित होने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

### आधी रात के बाद से ही शिवरामपुर गंगा तट पर स्नानार्थी लगाने लगे आस्था की डुबकी

अनप्लग इंडिया

**वाराणसी।** कार्तिक पूर्णिमा महास्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार दोपहर बाद से ही लोगों के कदम गंगा घाटों की ओर बढ़ने लगे। श्रद्धालु करीब सात किलोमीटर पैदल चलकर शिवरामपुर गंगा तट पहुंचे। आधी रात के बाद से स्नानार्थियों ने आस्था की डुबकी लगानी शुरू कर दी। सुरक्षा के मद्देनजर दोपहर तीन बजे से शहर की सीमाएं सील कर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। महर्षि भृगु की तपोस्थली व पावन धरा पर सोमवार की शाम को हर कदम कार्तिक पूर्णिमा गंगा महास्नान के लिए कदम बढ़ चले। भीड़ को देखते हुए सोमवार दोपहर तीन बजे से शहर की सीमाएं सील हो गईं। वाहनों के प्रतिबंध के कारण आम लोगों को पेरशानी का सामना करना पड़ा। छह से सात किमी पैदल चलकर शहर के एक छोर से दूसरे छोर पर लोग पहुंचे। आधी रात से कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान शिवरामपुर गंगा तट पर शुरू हो गया। कार्तिक पूर्णिमा महास्नान के दिन शिवरामपुर घाट समेत जिले के विभिन्न घाटों पर दस लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाने की उम्मीद है। शहर से गंगा तट तक जाने वाले मुख्य महावीर घाट मार्ग को दुरुस्त कर लिया गया है। मंगलवार को दिनभर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। श्रद्धालुओं का कारवां सोमवार दोपहर बाद से ही शहर के महावीर घाट मार्ग होते हुए शिवरामपुर गंगा घाट की ओर चल पड़ा। घाट पर पहले से ही साधु-संत डेरा जमाए हुए थे। इनके पंडालों में भजन-कीर्तन व प्रवचन का दौर लगातार जारी है। अधिकांश श्रद्धालु इन्हीं पंडालों में शाम को शरण लिए। महावीर घाट से संगम तट तक जाने वाले मार्ग और खतरनाक स्थलों पर बैरिकेडिंग की गई है। जिला प्रशासन की ओर नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट मुस्तैद रहे। स्नान करने के बाद श्रद्धालु दान-पुण्य भी करेंगे। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने घाट का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान की तैयारी पूरी कर ली गई है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसका पूरा ख्याल रखा गया है। उनकी मदद के लिए जवानों को लगाया गया है। गंगा मइया की मंगल गीत गाते महिलाएं बढ़ रही थी आगे शहर से शिवरामपुर गंगा तट पर स्नानार्थियों के पहुंचने का सिलसिला दोपहर से शुरू हो गया था। जैसे-जैसे शाम होती गई श्रद्धालुओं के जाने की संख्या बढ़ती गई। रात तक संगम तट पर लाखों लोग जुट गए। रेलवे स्टेशन, रोडवेज व निजी साधन से लोग पहुंचे, महिलाएं सिर पर गठरी व बैग लेकर गंगा मइया की मंगल गीत गाते हुए घाट पर पहुंच रही थी। मदद के लिए संस्थाओं ने बढ़ाया हाथ शहर से लेकर गंगा तट जाने वाले मार्ग पर स्वयं सेवी संस्थाओं व पार्टी के नेताओं ने श्रद्धालुओं के मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इसके लिए जगह-जगह शिविर लगाकर लोगों को पीने का पानी, चाय, नाश्ता, दवा आदि की व्यवस्था किए थे। श्रद्धालु भी इसका पूरा लाभ उठा रहे थे। शिविर के माध्यम से दातुन आदि भी वितरित किया गया। घाट पर बाटी-चोखा बनायाः दोपहर बाद गंगा तट पर पहुंचे श्रद्धालुओं की टोली बालू की रेती पर बाटी-चोखा लगाने में जुटी रही। इसके लिए वह साथ में ही सामग्री लेकर गई थी। उसके बाद सभी ने भोजन ग्रहण किया। बाबा बालेश्वर व भृगु मंदिरों में रही भीड़ कार्तिक पूर्णिमा स्नान के पूर्व शहर व उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने महर्षि भृगु व बाबा बालेश्वर मंदिर में पौराणिक मान्यता के अनुसार हजार बत्ती जलाई। इसके लिए मंदिर में लंबी लाइन लगी रही। उसके पश्चात बाबा दरबार में मत्था टेक स्नान के लिए रवाना हुए। रोडवेज बसों से ग्रामीण क्षेत्र से आती रही भीड़ कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु रोडवेज बस से आते रहे। परिवहन निगम की तरफ से 140 बसों का संचालन किया गया था। जिले के हर तहसील से बसें चलाई गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा। एआरएम महेश चंद्र पांडेय ने बताया कि यात्रियों की सुविधा का ख्याल रखा गया है।

### कोहरे ने थामी ट्रेनों की रफ्तार, महानगरी 9 घंटे 50 मिनट लेट; अमृत भारत भी साढ़े पांच घंटे देरी से पहुंची

अनप्लग इंडिया

**वाराणसी।** कोहरे के कारण वाराणसी आने वाली ट्रेनों की लेटलतीफी जारी है। सोमवार को महानगरी एक्सप्रेस 9 घंटे 50 मिनट, अमृत भारत एक्सप्रेस साढ़े पांच घंटे और एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस 3 घंटे 50 मिनट देरी से पहुंची। श्रमजीवी और कामायनी समेत कई ट्रेनें भी विलंबित रहीं। इससे यात्रियों को स्टेशन पर परेशानी झेलनी पड़ी। कोहरे का असर अब ट्रेनों के संचालन पर दिखने लगा है। लंबी दूरी की ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। सोमवार को मुंबई, दिल्ली और लोकमान्य तिलक टर्मिनस से वाराणसी और बनारस स्टेशन पहुंचने वाली कई ट्रेनें घंटों देरी से आईं। सबसे ज्यादा असर महानगरी एक्सप्रेस पर पड़ा। यह ट्रेन निर्धारित समय सुबह 3:20 बजे की जगह 9 घंटे 50 मिनट की देरी से दोपहर 1:10 बजे बनारस स्टेशन पहुंची। वहीं, अमृत भारत एक्सप्रेस भी साढ़े पांच घंटे देरी से आई। करना पड़ा। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन नंबर 15017 एलटीटी-जीकेपी एक्सप्रेस दोपहर एक बजे की जगह 2 घंटे 10 मिनट की देरी से दोपहर 3:10 बजे पहुंची। इसी तरह ट्रेन नंबर 11061 एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस दोपहर 12:25 बजे के निर्धारित समय से 3 घंटे 50 मिनट की देरी से शाम 4:15 बजे वाराणसी जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंची। ट्रेन नंबर 11071 कामायनी एक्सप्रेस भी निर्धारित समय शाम 7:45 बजे की जगह 2 घंटे 30 मिनट की देरी से रात 10:15 बजे पहुंची। वहीं, ट्रेन नंबर 22177 महानगरी एक्सप्रेस की लेटलतीफी ने यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशान किया। यह ट्रेन सुबह 3:20 बजे के बजाय दोपहर 1:10 बजे बनारस स्टेशन पहुंची। नई दिल्ली से आने वाली ट्रेन नंबर 12392 श्रमजीवी एक्सप्रेस सोमवार सुबह 2:10 बजे के निर्धारित समय की जगह एक घंटा पांच मिनट की देरी से सुबह 3:15 बजे पहुंची। नई दिल्ली से वाराणसी होकर सुपौल जाने वाली ट्रेन नंबर 04072 फेस्टिवल स्पेशल भी दोपहर 2:20 बजे की जगह एक घंटा 20 मिनट की देरी से शाम 3:40 बजे आई।

# चाय पीने गए दो युवकों पर हमला, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर; पुरानी रंजिश में वारदात की आशंका

अनप्लग इंडिया



**वाराणसी** चाय पीने गए दो युवकों पर हमलावरों ने हमला कर दिया। घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने तीन नामजद समेत 10 से 12 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजीपुर के कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के राजापुर चट्टी पर चाय पीने गए दो युवकों पर हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कासिमाबाद ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान छोटेलाल राजभर (20) की मौत हो गई, जबकि उसका साथी राहुल बिंद (21) घायल है। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने देर रात कासिमाबाद चौराहे पर पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। बरेसर थाना क्षेत्र के हसनपुर गोरा गांव निवासी छोटेलाल राजभर अपने साथी राहुल बिंद के साथ रविवार की देर रात राजापुर चट्टी पर चाय पीने गया था। आरोप है कि इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। हमलावरों ने दोनों युवकों को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों को सीएचसी कासिमाबाद ले गए, जहां छोटेलाल ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। देर रात करीब 12:30 बजे लोग कासिमाबाद चौराहे पर पहुंच गए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मौके पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के भाई बाबूलाल राजभर की तहरीर पर तीन नामजद और 10 से 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। तीन नामजद समेत आठ आरोपी गिरफ्तार कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के राजापुर चट्टी पर युवक की पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुकदमे में नामजद तीन आरोपी भी शामिल हैं।अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि राजापुर चट्टी के पास छोटेलाल राजभर और राहुल बिंद के साथ गांव के आसपास के कुछ युवकों ने मारपीट की थी। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कासिमाबाद ले जाया गया, जहां छोटेलाल राजभर की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के बड़े भाई बाबू लाल की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मृतक के बड़े भाई बाबू लाल ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले दोनों गांवों के युवकों के बीच बाइक की टक्कर को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में चाय पीने गए युवकों पर हमला किए जाने की बात सामने आई है। घर से चाय पीने निकला 20 वर्षीय छोटेलाल राजभर फिर कभी लौटकर नहीं आएगा, परिवार ने शायद यह सोचा भी नहीं था। राजापुर चट्टी पर हुई मारपीट ने हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। पांच भाइयों में चौथे नंबर पर रहे छोटेलाल की मौत से घर में मातम पसरा है। बेटे की मौत के बाद मां मीना देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बरेसर थाना क्षेत्र के हसनपुर गोरा गांव निवासी छोटेलाल हलवाई का काम करता था। परिवार के बीच रहकर अपनी जिम्मेदारियां निभा रहा था। रविवार की देर रात वह अपने साथी राहुल बिंद के साथ राजापुर चट्टी पर चाय पीने गया था। वहां पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में हमलावरों ने दोनों को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

### हत्या के गुनहगार को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ 50 हजार का जुमार्ना




**हमीरपुर** ( अनप्लग इंडिया ) चिकासी में एक पिता ने अपने ही 14 साल के बेटे लक्ष्मी प्रसाद की धारदार हथियार से काटकर हत्या करदी थी, जिसके बाद चिकासी पुलिस ने मझगवां के गढहर निवासी मुल्जिम पिता बृषभान पुत्र कामता केवट के खिलाफ 4 जुलाई 2018 को मु0अ0सं0-55/2018 धारा-302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया था। वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत जिला एंव सत्र अदालत फर्स्ट की स्कालर जज अफशां ने मुल्जिम बृषभान को गुनाहगार मानते हुये उम्रकैद की सजा के साथ ही 50 हजार का जुमार्ना सुनाया। जबकि मामले की जांच पूरी करते हुये तत्कालीन इंस्पेक्टर अनूप कुमार दूबे ने अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी, वहीं अभियोजन की तरफ से एडीजीसी क्रिमिनल सुभाष कुमार श्रीवास्तव ने दमदार पैरवी करते हुये सख़्त सजा की मांग की थी।

# घर में शार्ट सर्किट से लगी आग, धमाके के साथ फटा सिलिंडर; 800 मीटर दूर तक बिखर गया मलबा

अनप्लग इंडिया



**एटा।** एटा के मिरहची क्षेत्र के खोजपुर गांव में इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग के बाद गैस सिलेंडर जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाके से एक मकान की छत उड़ गई और आसपास के चार मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। एटा के मिरहची क्षेत्र के गांव खोजपुर में रात्रि करीब 11 बजे दिल दहला देने वाली घटना हुई। बिजली इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। पास में रखा गैस सिलिंडर जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना भयानक था कि मलबा 600 से 800 मीटर तक जा पहुंचा। पूरे गांव में दहशत फैल गई। परिवार के लोग बाल-बाल बचे, वहीं मकान के सामने लेटी पड़ोसी बुजुर्ग गीता देवी घायल हो गईं। गांव निवासी धर्मवीर ने बताया कि उनके पास उज्वला योजना के तहत फ्री मिला हुआ गैस सिलिंडर है, जिसे आपात स्थिति के लिए खाना बनाने के लिए रखा हुआ था। रात्रि करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दहशत की वजह से लोग आगे नहीं आए। धर्मवीर ने बताया कि हम परिवार के लोग गांव में ही दावत खाने गए हुए थे, नहीं तो हो सकता था बड़ा हादसा। इसके कुछ देर बाद सिलिंडर जोरदार धमाके के साथ फट गया, जिससे मकान की छत टूटकर गिर गई। साथ ही घर में रखा सारा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। जोरदार धमाके से पड़ोसियों देव सिंह, मुकेश शर्मा, मनोहर सिंह, हरदेवी के भी मकानों में दरारें पड़ गईं। घटना की सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल नरेश कुमार ने पीड़ितों के नुकसान का आंकलन कर आर्थिक मदद के लिए शासन को भेजा है। दावत न होती तो हो सकता था बड़ा हादसा गांव में आई बारात बनी जीवन का सहारा। लोगों का कहना है कि परिवार बेहद कमजोर व गरीब है। धर्मवीर दिल्ली में मजदूरी करता है, तो वहीं पत्नी हरदेवी क्षेत्र के गांवों में हाथ ठेला पर क्रॉकरी का सामान बेचकर बच्चों का पालन-पोषण करती है। किसी तरह मेहनत-मजदूरी कर एक कमरा बना लिया था, उसे भी भगवान ने उजाड़ दिया। गनीमत रही कि परिवार के लोग घर पर नहीं थे, गांव में ही आई बारात की दावत खाने गए थे, नहीं तो हो सकता था बड़ा हादसा। 70 वर्षीय पड़ोसी मुकेश शर्मा के साहस की ग्रामीण कर रहे सराहना गांव के लोगों ने बताया कि सिलिंडर फटने के बाद इधर-उधर फैली आग से कई घरों व पड़ोस में आग लग गई। दहशत की वजह से ग्रामीण आगे नहीं आ रहे थे। इस दौरान 70 वर्षीय बाबा मुकेश शर्मा ने जान की परवाह किए बिना आस-पड़ोस में फैली आग को पानी, मिट्टी से बुझाया, तब कहीं जाकर आग पर काबू हुआ। ग्रामीण मुकेश शर्मा की सराहना कर रहे हैं और उनके जज्बे से सीख ले रहे हैं।

# गंगा स्नान के बाद मुट्ठी से कच्चा चावल किए दान

अनप्लग इंडिया



**वाराणसी।** कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को काशी के गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद बाबा विश्वनाथ, कालभैरव और मां अन्नपूर्णा के दर्शन किए। सुरक्षा के लिए पुलिस, जल पुलिस और एनडीआरएफ तैनात रही। रूट डायवर्जन के बावजूद सामनेघाट पुल और राजघाट पर सुबह से जाम लगा रहा। धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी में कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। भोर होते ही गंगा के सभी प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव और हर-हर गंगे के जयघोष के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में पुण्य की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ, बाबा कालभैरव और मां अन्नपूर्णा के दरबार में हाजिरी लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्तिक पूर्णिमा के स्नान को लेकर सोमवार देर रात से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। मंगलवार सुबह होते-होते दशाश्वमेध, राजेंद्र प्रसाद, अस्सी, पंचगंगा, केदारघाट, मणिकर्णिका और राजघाट समेत सभी प्रमुख घाटों पर भीड़ बढ़ती गई। गंगा में स्नान के बाद श्रद्धालु मंदिरों की ओर रवाना हुए। इससे गंगा घाटों से लेकर प्रमुख मंदिरों के रास्तों तक पूरे दिन धार्मिक गतिविधियां बनी रहीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए थे। घाटों पर जिला प्रशासन के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की तैनाती रही। जल पुलिस की टीमें गंगा में लगातार निगरानी करती रहीं, जबकि एनडीआरएफ के जवान भी अलग-अलग स्थानों पर मुस्तैद रहे। गहरे पानी में जाने से रोकने, भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा टीमों को अलर्ट रखा गया। उधर, श्रद्धालुओं की भीड़ का असर शहर की यातायात व्यवस्था पर भी दिखाई दिया। घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण रूट डायवर्जन लागू किया गया। पुलिसकर्मी वाहनों को घाटों की तरफ जाने से रोककर दूसरे रास्तों की ओर भेजते रहे। इसके बावजूद सामनेघाट पुल और राजघाट पर सुबह से ही जाम की स्थिति बनी रही। इन मार्गों से गुजरने वाले लोगों को काफी देर तक वाहनों की कतार में इंतजार करना पड़ा। एक तरफ गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ा तो दूसरी तरफ शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव व्यवस्था की परीक्षा लेता रहा।

# कार और ट्रक की भिड़ंत, पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत, छह गंभीर घायल

अनप्लग इंडिया



**लखीमपुर खीरी** लखीमपुर खीरी के शारदानगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए भीषण हादसे में पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई। छह अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन्हें लखनऊ रेफर किया गया है। ये सभी लोग कार में सवार थे। कार और ट्रक की टक्कर से यह हादसा। लखीमपुर खीरी में सोमवार रात भीषण सड़क हादसा हुआ। खंभारखेड़ा चीनी मिल के निकट तेज रफ्तार ट्रक और कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार पिता-पुत्र समेत चार लोगों की जान चली गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ निघासन थाना क्षेत्र के ग्राम कटहा निवासी पप्पू (30 वर्ष) अपने बीमार पिता जगन्नाथ (60 वर्ष) को दवा दिलाने लखनऊ गए थे। वहां से सोमवार रात कार में सवार होकर वापस आ रहे थे। कार में जिले के ही अन्य लोग भी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, खंभारखेड़ा चीनी मिल के पास कार और ट्रक की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग जुट गए। हादसे में कार सवार पिता-पुत्र समेत चार लोगों की जान चली गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, कार में कुल 10 लोग सवार थे। खंभरखेड़ा चीनी मिल के पास कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई थी। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी। घायलों को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ भेजा गया है।

# चंदौली में विधायक सुशील के काफिले में घुसी बेकाबू स्कॉर्पियो, गाड़ियों को धड़ाधड़ ठोका; चार युवक घायल

अनप्लग इंडिया



**चंदौली।** चंदौली में सोमवार देर शाम भाजपा विधायक सुशील सिंह के काफिले में स्कॉर्पियो घुस गई। फॉर्च्यूनर समेत कई गाड़ियों को टक्कर मारने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में स्कॉर्पियो सवार चार युवक गंभीर घायल हुए। विधायक ने इसे सुनियोजित साजिश की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। चंदौली में बीती रात भाजपा विधायक सुशील सिंह के काफिले में एक बेकाबू स्कॉर्पियो घुस गई। स्कॉर्पियो ने विधायक की फॉर्च्यूनर समेत काफिले की कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और स्कॉर्पियो सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में विधायक सुशील सिंह बाल-बाल बच गए। घटना के बाद विधायक ने इसे महज सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए सुनियोजित साजिश की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस से शिकायत कर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर शाम स्कॉर्पियो सवार चार युवक घर से खाना लेकर अलीनगर स्थित एक निजी अस्पताल जा रहे थे। अस्पताल में भर्ती एक महिला की डिलीवरी के सिलसिले में खाना पहुंचाना था। इसी दौरान रास्ते में स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और एक के बाद एक कई वाहनों से टकरा गई। इनमें सैयदराजा के भाजपा विधायक सुशील सिंह की फॉर्च्यूनर भी शामिल थी। हादसे में एक क्लासिक वाहन के क्षतिग्रस्त होने की भी जानकारी सामने आई है। स्कॉर्पियो सवार चारों युवक गंभीर घायल हादसे में स्कॉर्पियो सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पहचान पंकज यादव, प्रिंस यादव, सजीवन और सोनल यादव के रूप में हुई है। चारों सैयदराजा थाना क्षेत्र के बंशीपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर जुटे लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कॉर्पियो की टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कई वाहनों के एक साथ क्षतिग्रस्त होने से कुछ देर तक आवागमन भी प्रभावित रहा। शुरूआती जानकारी में स्कॉर्पियो सवार युवकों के नशे की हालत में होने की बात सामने आई है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मेडिकल जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। विधायक बोले- चार गाड़ियों को लगातार मारी टक्कर हादसे के बाद विधायक सुशील सिंह ने घटना के पीछे साजिश होने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि उनकी चार गाड़ियों में लगातार टक्कर मारी गई। इसे सामान्य दुर्घटना मानने के बजाय उन्होंने इसके पीछे किसी सुनियोजित योजना की आशंका व्यक्त की है। विधायक के मुताबिक, उन्हें नुकसान पहुंचाने के इरादे से इस घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है। उन्होंने पुलिस को शिकायत देकर मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। नशे से लेकर साजिश तक, सभी पहलुओं की जांच सदर कोतवाल त्रिवेणी सिंह ने बताया कि दुर्घटना में घायल सभी युवकों का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्कॉर्पियो चालक की स्थिति, वाहन की रफ्तार, दुर्घटना के कारण और युवकों के नशे में होने के आरोपों की पड़ताल की जा रही है। विधायक की ओर से साजिश की आशंका जताए जाने के बाद पुलिस इस पहलू को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। फिलहाल मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही हादसे की असल वजह सामने आ सकेगी।



# अनन्या बिरला ने बताया कैसी होगी 'प्रलय'

**बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह पहले से ही अपनी फिल्म 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता को लेकर चर्चा में हैं। इसके बाद अब एक्टर जल्द ही एक बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाले हैं। दरअसल, रणवीर पहली बार जॉम्बी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। अब फिल्म की प्रोड्यूसर अनन्या बिड़ला ने इसे लेकर कुछ ऐसा कहा है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ सकती है। अनन्या ने फिल्म को एक बड़ा सिनेमैटिक अनुभव बताया है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।**

### 'प्रलय' को लेकर बोलीं अनन्या बिड़ला

अनन्या बिड़ला हाल ही में करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंची थीं। इस दौरान उनसे रणवीर सिंह की फिल्म 'प्रलय' को लेकर सवाल किया गया। इस पर अनन्या ने कहा, 'यह एक स्पेक्टेकल होने वाली है और मुझे उम्मीद और प्रार्थना है कि लोगों को यह पसंद आएगी। इसके अलावा सब कुछ भगवान और दर्शकों के हाथ में है।' हालांकि, फिल्म की कहानी और इससे जुड़ी दूसरी जानकारियों को अभी मेकर्स ने गुप्त रखा है। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है।

'प्रलय' एक बड़े स्तर पर बनाई जा रही एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे जय मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई और इसके आसपास की असली लोकेशन पर की जा रही है। कई महीनों की तकनीकी तैयारियों के बाद फिल्म की प्रिंसिपल फोटोग्राफी शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। कल्याणी को फिल्म 'लोका' से काफी पहचान मिली है। खास बात यह है कि रणवीर इस फिल्म में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद यह रणवीर की अगली बड़ी फिल्म मानी जा रही है।

### अनन्या ने अपने एक्स को किया फोन

करण के शो में अनन्या बिड़ला के साथ अभिनेत्री अनन्या पांडे भी नजर आई थीं। अनन्या पांडे ने मजाक में कहा कि उन्हें दुनिया की हर दूसरी अनन्या नापसंद है, लेकिन अनन्या बिड़ला को छोड़कर। वहीं, 'सिप इट इफ यू हैव डन इट' गेम के दौरान अनन्या बिड़ला ने खुलासा किया कि एक बार उन्होंने अपनी प्राइवेट डेट के लिए पूरा वेन्यू खाली करवा दिया था। इसके बाद अनन्या पांडे ने आदित्य रॉय कपूर, ईशान खट्टर और कार्तिक आर्यन को फोन किया। इस पर अनन्या बिड़ला ने मजाक करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सभी एक्स को फोन कर लिया है।

### 'कॉफी विद करण' का आखिरी सीजन

करण जौहर का मशहूर चैट शो 'कॉफी विद करण' इन दिनों अपने नौवें और आखिरी सीजन को लेकर चर्चा में है। शो के अक्टूबर में प्रीमियर के दौरान करण ने साफ कर दिया था कि वह इसका अगला सीजन नहीं लाएंगे। इस सीजन में पहले मेहमान सलमान खान बने थे। इसके बाद रश्मिका मंदाना-विजय देवरकोंडा, करीना कपूर-सैफ अली खान और कियारा आडवाणी-सिद्धार्थ मल्होत्रा जैसे सितारे शो का हिस्सा बने।



**आईएलटी20**

## बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

**शारजाह ।** इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए।



शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

# प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

**181 रन**
**67 गेंदों पर**

**भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने**



**इंदौर ।** दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।

प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।



# भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

**न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह**

**नई दिल्ली ।** न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।

टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

# सेबी ने आईपीओ ग्रे मार्केट प्रीमियम पर लगाई रोक, निवेशकों को आगाह किया

**बाजार मध्यस्थों को प्रचार-प्रसार से रोका, निवेशकों को अनौपचारिक सौदों से बचने की सलाह**

**नई दिल्ली ।** बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) के आंकड़ों के प्रकाशन और प्रचार-प्रसार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। नियामक ने बाजार मध्यस्थों और अन्य प्रतिभागियों को इस तरह की गतिविधियों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही सेबी ने निवेशकों को जीएमपी को संभावित लिस्टिंग मूल्य या अपेक्षित रिटर्न का संकेतक न मानने की सख्त चेतावनी दी है। सेबी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि जीएमपी उन अनौपचारिक और अपुष्ट कीमतों को दर्शाता है जिन पर किसी कंपनी के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले कारोबार किए जाने का दावा किया जाता है। ये सौदे मान्यता-प्राप्त शेयर बाजारों के दायरे से बाहर होते हैं, जिस पर कोई नियामकीय निगरानी नहीं होती और न ही इनमें निवेशकों को कोई सुरक्षा या सौदे के निपटान की गारंटी मिलती है। नियामक ने पाया कि जीएमपी के आंकड़े वेबसाइटों, डिजिटल मंचों, समाचार पत्रों और यहां तक कि सेबी में पंजीकृत कुछ मध्यस्थों द्वारा भी व्यापक रूप से प्रकाशित किए जा रहे थे। नियामक ने स्पष्ट किया कि ऐसे प्रीमियम के आंकड़ों का प्रकाशन निवेशकों के हितों के लिए नुकसानदेह है और प्रतिभूति बाजार में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों के विपरीत है। सेबी ने अपने सभी पंजीकृत मध्यस्थों और बाजार प्रतिभागियों को अपनी वेबसाइट, डिजिटल मंचों, ईमेल, एसएमएस और सोशल मीडिया सहित किसी भी संचार माध्यम पर आईपीओ के जीएमपी के आंकड़े प्रकाशित, प्रदर्शित या प्रसारित नहीं करने का निर्देश दिया है।

# धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

**जबलपुर ।**

लार्डगंज और गोरखपुर थाना क्षेत्र में तीन सायबर ठगी के मामले सामने आए हैं7 लार्डगंज थाना क्षेत्र में ट्योरिन सोलर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 3 कर्मचारियों पर धोखाधड़ी कर दूसरी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा है। वहीं लार्डगंज में आईफोन दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 62 हजार 940 रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इसी प्रकार गोरखपुर थाना क्षेत्र में झाड़-फूंक के जरिए बीमारी और घरेलू परेशानियां दूर करने तथा धन दोगुना करने का झांसा देकर एक महिला से करीब 5 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है।

लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार राइट टाउन निवासी 36 वर्षीय कंपनी संचालक अभिषेक बाधवा कंपनी के कर्मचारी सुमित सेन, सुभाष विश्वकर्मा और मोहम्मद फजल तबिश दूसरी कंपनियों के लिए भी काम कर रहे थे। कर्मचारियों ने कंपनी के नाम से फर्जी एनओसी तैयार कर दूसरी कंपनियों को सोलर प्लांट लगवाने का काम दिलाया। कंपनी के कंप्यूटर की जांच में 14-15 अन्य कंपनियों का डेटा और करीब 70-75 ऑर्डर से जुड़े काम के प्रमाण मिले। साथ ही कंपनी के डायरेक्टर के फोटो, फोटोशॉप से तैयार हस्ताक्षर, कंपनी की सील, ऑडिट रिपोर्ट और व्हाट्सएप चैट में पैसों के लेन-देन से जुड़े साक्ष्य मिलने की बात सामने आई।

इसी प्रकार राइट टाउन स्थित अतुल बिहार अपार्टमेंट निवासी 51 वर्षीय अरुण अग्रवाल गत 27 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे एक मोबाइल नंबर से उन्हें आईफोन दिलाने का ऑफर दिया गया था। इसके झांसे में आकर उन्होंने यूपीआई के माध्यम से 499 रुपए से शुरुआत करते हुए कुल 62 हजार 940 रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। रकम जमा कराने के बाद भी उन्हें आईफोन नहीं दिया गया। पीड़ित ने कई बार संबंधित व्यक्ति से अपने रुपए वापस मांगे, लेकिन वह गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोपी ने अपना नाम मनीष जैन बताया था। शिकायत के मुताबिक, रकम बाके बिहारी सर्विस सेंटर, राहुल खान, यकीन खान और वारिस हरसोनिया के खातों में जमा कराई गई थी।

इसी तरह गोरखपुर में ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी 48 वर्षीय आरती मेहरा कुछ समय से बीमार थी और घर में भी कई तरह की परेशानियां चल रही थीं।

# दस्तावेज गुम करने पर एसबीआई को 60 लाख का चूना, बुजुर्ग की जीत

**2019 में चुकाया था होम लोन, बैंक ने नहीं लौटाए थे संपत्ति के असली कागजात**

**नई दिल्ली ।**

उपभोक्ता अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति को लगभग 60 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह फैसला बैंक द्वारा होम लोन का पूरा भुगतान करने के बावजूद संपत्ति के असली कागजात न लौटाने के एक लंबे समय से चले आ रहे मामले में आया है। कोर्ट ने बैंक को न सिर्फ मुआवजा देने, बल्कि जल्द से जल्द संपत्ति के पूरे दस्तावेज वापस करने का भी निर्देश दिया है। यह मामला अलीगढ़ के गुलवीर सिंह चौहान से जुड़ा है, जिन्होंने 1997 में एसबीआई की सिटी ब्रांच से होम लोन लिया था और अपनी संपत्ति का असली सेल डीड बैंक के पास गिरवी रखा था। चौहान ने 13 मई 2019 को अपना पूरा बकाया लोन चुका दिया और बैंक से नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर लिया। हालांकि, इसके बावजूद बैंक बार-बार अनुरोध करने पर भी उनके असली दस्तावेज वापस नहीं कर पाया और अंततः स्वीकार किया कि दस्तावेज गुम हो गए हैं। दस्तावेजों के अभाव में चौहान को मालिकाना हक की पुष्टि करने, नया लोन लेने या संपत्ति हस्तांतरित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आखिरकार, 13 जून 2023 को गुलवीर सिंह चौहान ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। कार्यवाही के दौरान एसबीआई ने दस्तावेज मिलने की बात तो स्वीकार की, लेकिन चौहान के आरोपों का खंडन किया। आयोग के अध्यक्ष हसनैन कुरैशी और सदस्य पूर्णिमा सिंह राजपूत ने बैंक के 13 फरवरी 2020 के पत्र की जांच की, जिससे पुष्टि हुई कि चौहान ने मई 2019 में ही सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि ऋण चुकाने के बाद भी दस्तावेज न लौटाना सेवा में कमी है।

# जेएसडब्ल्यू मोटर्स और एआरएआई में नए ऊर्जा वाहन विकास हेतु समझौता

**नई दिल्ली ।**

जेएसडब्ल्यू समूह की यात्री वाहन इकाई, जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) के संयुक्त विकास, परीक्षण और स्थानीयकरण के लिए ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य वाहनों और उनकी प्रणालियों के विकास के लिए मजबूत तकनीकी आधार तैयार करना, परीक्षण एवं नियामकीय तैयारियों को बेहतर बनाना है। कंपनी विशेष रूप से भारतीय परिचालन स्थितियों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और क्षमताओं का विकास करना चाहती है। जेएसडब्ल्यू मोटर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल वाहन बनाना नहीं, बल्कि मजबूत स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं वाली विश्वस्तरीय भारतीय वाहन कंपनी बनाना है।

उन्होंने जोर दिया कि यह साझेदारी भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप अगली पीढ़ी के परिवहन समाधान विकसित करने में तेजी लाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### ब्रिटेन में गजब का नियम, बच्चों के लिए एआई पर रोक, शिक्षकों को चैटजीपीटी से कॉपियां जांचने की छूट; छिड़ी बहस

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में शिक्षकों को अब परीक्षा के महत्वपूर्ण कोर्सवर्क (गृहकार्य व प्रोजेक्ट कार्य) की कॉपियां जांचने के लिए चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट्स का उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। द मेल ऑन संडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नए दिशानिर्देश की शिक्षाविदों ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे बेहद शर्मनाक करार दिया है। शिक्षाविदों का कहना है कि एक तरफ छात्रों को चेतावनी दी जाती है कि यदि वे कोर्सवर्क तैयार करने के लिए एआई टूल्स का उपयोग करते हैं तो उन्हें सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा। दूसरी तरफ, ब्रिटेन में परीक्षा बोर्डों की निगरानी करने वाली संस्था ज्वाइंट काउंसिल फॉर क्वालिफिकेशंस (जेसीक्यू) ने चुपचाप यह नियम बना दिया है कि शिक्षक कॉपियां जांचने के लिए एआई की मदद ले सकते हैं। लंदन के प्रतिष्ठित गर्ल्स स्कूल सेंट पॉल्स के इनोवेशन निदेशक डॉ. विल वैन रेक ने हाल ही में जारी इस दिशानिर्देश को बेतुका बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी लक्ष्मण रेखा को पार करता है जिसे कभी पार नहीं किया जाना चाहिए था। डॉ. वैन रेक ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि फिलहाल इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है कि शिक्षक किन एआई टूल्स का उपयोग कर सकते हैं और न ही शिक्षकों को इनके इस्तेमाल का कोई प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ये कोई विशेष रूप से तैयार किए गए चैटबॉट्स भी नहीं हैं, शिक्षक छात्रों का कोर्सवर्क चैटजीपीटी या माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे सामान्य बॉट्स में डालेंगे। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मुख्यधारा का कोई एआई चैटबॉट कॉपी जांचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

### सऊदी के अहम ठिकानों पर हूती का हमला जारी, यमन के समूह का दावा, ऑयल रिफाइनरी और रडार सिस्टम को बनाया निशाना

**सना, एजेंसी।** यमन के हूती समूह ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के प्रतिष्ठानों पर हमला किया है। उनके मुताबिक, सऊदी अरब के लाल सागर तट पर स्थित एक तेल रिफाइनरी और राजधानी रियाद के दक्षिण में मौजूद एक रडार फैसिलिटी को निशाना बनाया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब सीमा पार शत्रुता बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट किए बयान में, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि दो अभियान चलाए गए थे। पहले ऑपरेशन में लाल सागर तट पर स्थित राबिघ तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया और दावा किया कि यह सीधा निशाना था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे ऑपरेशन में रियाद के दक्षिण में वादी अद-दवासिर स्थित एक रडार केंद्र को दो चरणों में निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इस ऑपरेशन में काफी सफलता मिली। सरिया ने इस्तेमाल किए गए हथियारों या हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। हाल के दिनों में, हूती लड़ाकों ने सऊदी हवाई अड्डों, तेल प्रतिष्ठानों और अन्य रणनीतिक ठिकानों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती मीडिया ने यमन भर में सऊदी हवाई हमलों के तेज होने की खबर दी है।

### ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव, राजा बनते ही हैरी की शाही उपाधियां छीन लेंगे विलियम; नई किताब में सनसनीखेज दावा

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव के बीच एक नई किताब ने दुनियाभर में हलचल मचा दी है। शाही परिवार के मामलों के जानकार और जाने-माने शाही लेखक टॉम साइक्स ने अपनी किताब ड्यूक्स ऑफ हैजर्ड में दावा किया है कि प्रिंस विलियम राजा बनते ही राजशाही में एक क्रांतिकारी बदलाव की योजना बना रहे हैं। नए नियम से उनके नाराज भाई प्रिंस हैरी, उनकी पत्नी मेगन मर्केल और दोनों बच्चों सात वर्षीय आर्ची और पांच वर्षीय लिलिबेट से प्रिंस और प्रिंसेस की उपाधियां छिन जाएंगी। यही नहीं प्रिंस हैरी और उनके परिवार तो एचआरएच (हिज या हर रॉयल हाइनेस) कहलाने का भी अधिकार नहीं रहेगा। योजना का असर प्रिंस विलियम के अपने बच्चों पर भी पड़ेगा। विलियम के दोनों छोटे बच्चों 11 वर्षीय प्रिंसेस शार्लट और आठ वर्षीय प्रिंस लुइस को भी बालिग होने पर यह चुनने की आजादी दी जाएगी कि वे राजशाही के अतिरिक्त सदस्यों के रूप में काम करना चाहते हैं या उपाधियां छोड़कर अपना स्वतंत्र करियर बनाना चाहते हैं। वैसे, भविष्य के राजा के रूप में प्रिंस जॉर्ज की भूमिका पहले से तय है, किताब के अनुसार, प्रिंस ऑफ वेल्स विलियम की इस सोच के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि शाही उपाधियों को जन्म से मिलने वाले किसी विशेषाधिकार के बजाय एक नौकरी वाले पद की तरह बनाया जाए।

# रेवंत रेड्डी का आरोप: केसीआर ने कृष्णा जल बंटवारे पर किए तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर दस्तखत

**हैदराबाद , एजेंसी।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में राव ने कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए केवल 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत किए।

सीएम रेंवत का यह बयान बीआरएस के उन आरोपों के पलटवार के रूप में आया है, जिसमें बीआरएस ने दावा किया था कि कांग्रेस की रेंवत सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है। सीएम रेड्डी ने बीआरएस पर झूठ फैलाकर सरकार को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से केवल 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्यमंत्री रेंवत ने तुम्मिडीहेट्टी परियोजना से पीछे हटने के फैसले को केसीआर के उन विनाशकारी कदमों में से बताया, जिन्होंने तेलंगाना के लिए संकट खड़ा किया। सीएम रेड्डी ने कहा, इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के मृत्यु वारंट पर दस्तखत कर दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि पिछले



चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है, और उन्हें तभी पूरी सजा मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।

बीआरएस के आरोप पर कि कांग्रेस की सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्रमशः तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका फैसला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। उन्होंने बीआरएस को तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का जिम्मेदार ठहराया।

# काशी में देव दीपावली की भव्य छटा, 84 घाटों पर जले 11 लाख दीये

- करीब 15 लाख पर्यटकों ने देखा गंगा आरती, लेजर-ड्रोन शो और आतिशबाजी का नजारा

वाराणसी , एजेंसी। काशी में देव दीपावली के अवसर पर सोमवार शाम गंगा के 84 घाट करीब 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठे। भव्य सजावट के साथ दीपों की जगमग ने श्रद्धालुओं समेत देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह लिया। देव दीपावली उत्सव को देखने करीब 40 देशों के मेहमान काशी पहुंचे। देव दीपावली के अवसर पर नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही काशी के विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्वलित किए गए। घाटों की भव्य सजावट और दीपों की रोशनी देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचे। देव दीपावली का उत्सव देखने के लिए करीब 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि करीब 15 लाख पर्यटकों के शहर में पहुंचने का अनुमान है। घाटों पर गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहे। गंगा के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मौजूद रहे। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक विशेष सजावट की गई। मंदिरों और घाटों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मणिकर्णिका और अन्य प्रमुख घाटों की सजावट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। विदेशी पर्यटकों ने भी काशी की देव दीपावली और घाटों पर दीपों की भव्य सजावट की सराहना की। गंगा के उस पार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही और गंगा किनारे मौजूद लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। नदी के दोनों किनारों से दीपों से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। लाखों दीयों की रोशनी, गंगा आरती और रंगीन आतिशबाजी के बीच काशी का पूरा घाट क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक देर रात तक घाटों पर मौजूद रहे और देव दीपावली के इस भव्य आयोजन को देखा।



## भाजपा-शिअद गठबंधन पर केजरीवाल का तंज, हमारा तालमेल जनता से

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में भाजपा किसी भी दल से हाथ मिला सकती है, जबकि आप का सच्चा गठबंधन पंजाब की महिलाओं, अनुसूचित जाति समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। आप नेता केजरीवाल ने गठबंधन को दोनों दलों के राजनीतिक हितों का परिणाम बताया, जो बार-बार साथ आते और फिर अलग होते रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी ये साथ आते हैं, कभी अलग हो जाते हैं और फिर साथ आ जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। आप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और जनता ने पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कामकाज को देखा है। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार पंजाब को दशकों से प्रभावित कर रही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन को नहीं भूली है, जिसमें 700 से अधिक किसानों की जान गई थी। उन्होंने शिअद सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबी की घटनाओं और राज्य में फैले नशे के दौर का भी उल्लेख किया। दिल्ली में आप विधायक जरनैल सिंह ने गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि दो शून्य को जोड़ने पर भी शून्य ही होता है, इसलिए इसका पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने काम के आधार पर वोट मांगती है। केजरीवाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन व शिक्षाओं को कठिन समय में मार्गदर्शक बताया।



# शरद पवार के राजनीतिक भविष्य और एनसीपी विलय पर सुप्रिया का बयान, ये सब अफवाह

**मुंबई , एजेंसी ।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार के स्वास्थ्य संबंधी हालिया घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संन्यास और पार्टी के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म किया था। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, इन सभी कयासों पर उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने खुलकर जवाब देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर सुप्रिया सुले ने इन्हें भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अभी पांच साल शेष है, और इसतरह के अनुभवी नेता के बारे में इस तरह की



बातें बेहद चौंकाने वाली और गलत हैं। शरद पवार की बेटी सुले ने जोर देकर कहा कि राजनीति में कोई व्यक्ति कब तक सक्रिय रहेगा और कब रिटायर होगा, यह तय करने का अधिकार केवल जनता के पास है, न कि किसी रिपोर्ट या कयासों के आधार पर।

इसके साथ ही, महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एकजुट होने की अटकलों भी सुले ने विराम लगाया। ये चर्चाएँ तब तेज हुईं जब अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल ने अस्पताल में शरद पवार का हालचाल जानने पहुंचे थे। इसके अलावा, सुनील तटकरे ने दावा किया था कि अजित पवार ने दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत की पहल की थी। इन दावों पर प्रतिक्रिया देकर सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि विलय को लेकर बातचीत ज़रूर हुई थी, लेकिन वह केवल तब तक थी जब उनके भाई अजित पवार उनके साथ थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई गुंजाइश नहीं है। सुले के अनुसार, पार्टी के विभाजन के बाद, उनकी तरफ से वे सारी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गईं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी के नेता अब इस विषय पर कोई टिप्पणी भी नहीं करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह अध्याय पूरी तरह बंद हो चुका है।

## जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

मेरठ ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एटीएस, इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं।

# ईरान पर हमले से फिर भड़क उठेगी जंग, आईडीएफ की नेतन्याहू को चेतावनी, लेबनान और सीरिया का क्यों किया जिक्र

**यरूशलम, एजेंसी।** इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर हमले की स्थिति में सामने आने वाले नतीजे से रूबरू कराया है। चेतावनी दी है कि ईरान पर हमले से एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ सकता है। द टाइम्स ऑफ इस्राइल की एक रिपोर्ट में इसका जिक्र है। टेलीविजन नेटवर्क चैनल 12 की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि, पिछले हफ्ते नेतन्याहू और वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के बीच एक बंद कमरे में हुई बैठक में इसके नतीजे पर बात किया। कथित तौर पर इस समय ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्पों पर इजरायल गंभीरता से विचार कर रहा है। सैन्य खुफिया विभाग ने चेतावनी दी है कि इस्राइल के हमले से



लेबनान, सीरिया और गाजा सहित कई मोर्चों पर संघर्ष छिड़ सकता है। यह नेतन्याहू और इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के उस अनुमान के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि यह अभियान तीन से पांच दिनों तक ही सीमित रह सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विपक्षी नेता एविग्डोर लिबरमैन ने हाल ही में इस बात का संकेत दिया था कि नेतन्याहू अमेरिका की मंजूरी के बिना ही एकतरफा हमला कर सकते हैं। लिबरमैन ने पिछले हफ्ते कहा था कि इस समय इस्राइल का कोई भी हमला अनुचित होगा और यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित होगा। आईडीएफ ने बंद कमरे की बैठकों में की गई चर्चा पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

नेतन्याहू ने ट्रंप से क्या आग्रह किया? एक अज्ञात सूत्र के हवाले से (प्रसारक कान की रिपोर्ट) कहा गया है कि नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान पर ÷जल्द से जल्द÷ हमला करने का आग्रह कर रहे थे। हालांकि, राष्ट्रपति ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है और बताया जा रहा है कि वे ऐसा करने के इच्छुक नहीं हैं। इस महीने की शुरुआत में, नेतन्याहू ने एक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की अपनी मांग दोहराई थी। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू कर रहा है और केवल एक व्यापक गठबंधन ही इस्राइल के लिए मौजूद इस खतरे को खत्म कर सकता है। पहले से रिकॉर्ड किए गए एक संबोधन में, नेतन्याहू ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी गादी आइसेनकोट से आग्रह किया कि वे बिना किसी पूर्व शर्त के गठबंधन वार्ता में शामिल हों। नेतन्याहू ने कहा, ईरानी शासन, जो इस्राइल को नष्ट करना चाहता है, एक बार फिर अपने परमाणु कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है।

## ईरान-अमेरिका संघर्ष, गालिबाफ ने कहा- न जंग, न शांति की स्थिति खत्म करने के लिए ठोस कदम जरूरी; ट्रंप क्या बोले?



**तेहरान, एजेंसी।** ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने देश में न युद्ध, न शांति की स्थिति खत्म करने के लिए स्पष्ट और ठोस कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश में एकता जरूरी है। साथ ही, सैन्य ताकत के जरिये दुश्मनों को रोकने की क्षमता बनाए रखना भी जरूरी है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। गालिबाफ ने इस्लामी सलाहकार सभा की समन्वय परिषद की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को राजनीतिक चर्चा या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से खत्म नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, न युद्ध, न शांति की स्थिति को राजनीति के जरिये खत्म नहीं किया जा सकता। एक-दूसरे पर युद्ध भड़काने या समझौता करने का आरोप लगाना इस स्थिति को खत्म करने का तरीका नहीं है। देश को स्पष्ट और ठोस फैसले और कदम उठाने की जरूरत है।

सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने मौजूदा स्थिति खत्म करने पर जोर दिया है। इसका जिक्र करते हुए गालिबाफ ने कहा कि देश को पुरानी बातों और राजनीतिक चर्चाओं में नहीं उलझना चाहिए। उन्होंने कहा, एक-दूसरे पर युद्ध भड़काने या समझौता करने का आरोप लगाने से स्थिति का समाधान नहीं होगा। गालिबाफ ने कहा, ईरान अपने विरोधियों को सैन्य कार्रवाई से रोकने की ताकत हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा, इसका श्रेय सशस्त्र बलों की बलिदान भावना, कमांडर-इन-चीफ की समझदारी, इच्छाशक्ति और विवेक को जाता है। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद अमेरिका ने अपनी प्राथमिकता बदल दी है। अब अमेरिका ईरान की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने पर ध्यान दे रहा है। वह आर्थिक दबाव बना रहा है। अमेरिका ईरान को अंदर से कमजोर कर उसे गिराने की कोशिश कर रहा है। गालिबाफ ने कहा, दुश्मन की इस योजना का मुकाबला करने के लिए देश में एकता और एकजुटता जरूरी है। साथ ही, दुश्मन को रोकने की सैन्य क्षमता भी लगातार बनाए रखनी होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ के आदेश को पूरा करना भी होगा। उन्होंने कहा, अगर हम अपने प्यारे ईरान और उसके लोगों को दुश्मन के खतरे से बचाना चाहते हैं।

# कनाडा में ट्रंप का हमशक्ल, मीडिया डिनर में पीएम कार्नी से लेकर ट्रूडो पर कॉमेडियन ने ली चुटकी, देखें वीडियो

**टोरंटो, एजेंसी।** ओटावा में कनाडा के वार्षिक पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर में डोनाल्ड ट्रंप जैसा दिखने वाले एक व्यक्ति ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उसने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पर हल्के-फुल्के तंज कसे, उनकी लोकप्रियता को लेकर मजाक उड़ाया और यहां तक कि उनके रूप-रंग पर भी एक मजेदार टिप्पणी कर दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह कपड़े पहने और उन्हीं के अंदाज में बोलने वाले इस व्यक्ति ने शनिवार, 21 नवंबर को आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम में मंच संभाला। उसने मार्क कार्नी और उनकी राजनीतिक स्थिति पर जिस तरह से अपनी बात रखी, उसे सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े।

**ट्रंप की नकल उतारते हुए क्या कहा :** ट्रंप की नकल उतारते हुए उस व्यक्ति ने कहा, फर्जी खबर। यहां हमारे पास दो कार्नी हैं। यह तो एक आपदा है। क्या यह अविश्वसनीय नहीं है? दो कार्नी! वह इतना लोकप्रिय है, लगभग मेरे जितना ही लोकप्रिय। इसके बाद उसने टेलीविजन सीरीज हीटेड राइवलरी का जिक्र किया और फिर कनाडाई प्रधानमंत्री के हुलिए पर बात की।

**कार्नी ने भी कसा तंज :** परफॉर्मर ने ट्रंप के जाने-पहचाने मजबूत हैंडशेक की भी नकल की, और मंच पर कार्नी तथा एक अन्य नकलची के साथ हाथ मिलाया।



इस नकलची का पूरा एक्ट ट्रंप के जाने-पहचाने अंदाज पर आधारित था, जिसमें उसने ट्रंप के बोलने के तरीके, हाव-भाव और उनके खास हैंडशेक स्टाइल की नकल की। कार्नी ने भी इस परफॉरमेंस में पूरा साथ दिया, जबकि ट्रंप जैसा दिखने वाला यह व्यक्ति उनकी लोकप्रियता और उनके रूप-रंग का मजाक उड़ा रहा था। जब उस नकलची ने पूछा कि किसे उनका प्रेस सेक्रेटरी बनना चाहिए, तो कनाडा के प्रधानमंत्री ने भी एक मजेदार टिप्पणी की। कार्नी ने इस मौके का फायदा उठाते हुए कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे पर तंज कसा।

**कनाडा का पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर क्या है :** कनाडा में हर साल होने वाला पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर पत्रकारों और राजनेताओं को एक साथ लाता है, जहां एक शाम हंसी-मजाक और राजनीतिक व्यंग्य का माहौल होता है। इस औपचारिक कार्यक्रम में अक्सर अलग-अलग पार्टियों के नेता मजेदार भाषण देते हैं, जिसमें वे खुद का, अपने राजनीतिक विरोधियों का और साल भर की घटनाओं का मजाक उड़ाते हैं। इस साल के डिनर में ट्रंप जैसे दिखने वाले व्यक्ति के आने से एक दिलचस्प मोड़ आ गया, और अमेरिकी राष्ट्रपति की शैली में कार्नी को मजाक का मुख्य केंद्र बनाया गया। इसक् साथ ही विपक्षी कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे ने पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अमेरिकी पॉप स्टार केटी पेरी के संबंधों पर निशाना साधा। उन्होंने मजाक में कहा कि ट्रूडो ने एक फीकी पड़ चुकी पॉप राजकुमारी के साथ ठीक वैसा ही बर्ताव किया है, जैसा उन्होंने सत्ता में अपने दस वर्षों के दौरान कनाडा के साथ किया था। इस टिप्पणी की ऑनलाइन आलोचना हुई। लोगों ने इसे महिला-विरोधी और पेरी का अपमान करने वाला बताया। कनाडा में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की प्रतिनिधि और सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज, गवर्नर जनरल लुईस आर्बर ने कार्नी की बहुत ज्यादा विदेश यात्राओं पर तंज कसा। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि भगवान और मार्क कार्नी में क्या अंतर है? भगवान हर जगह मौजूद हैं, जबकि मार्क कार्नी ओटावा को छोड़कर हर जगह मौजूद रहते हैं, जबकि उन्हें ओटावा में ही होना चाहिए।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com